शुक्रवार 06 जून 2025
सूर्योदय प्रातः 05:23 बजे
सूर्यास्त सायं 19:16 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 बर्बाद बांग्लादेश बन रहा एक नई मुसीबत

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 231 | गाजियाबाद, शुक्रवार 06 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 | CBDC | Paytm
Cred | PhonePe | Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

अडानी के सामने मोदी का 'सरेंडर' देशहित में नहीं : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि वह अमेरिका और चीन के सामने ही नहीं बल्कि देश में भी अडानी जैसे उद्योगपतियों के सामने भी सरेंडर कर रहे हैं जो कहीं भी देशहित में नहीं है। कांग्रेस नेता डॉ. अजय कुमार ने यहां पार्टी के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आखिर श्री मोदी ने अडानी के आगे 'सरेंडर' क्यों कर दिया है। अडानी के लिए प्रधानमंत्री आखिर देश को खतरे में क्यों डाल दिया है। श्री मोदी का पूरा सरकारी तंत्र ये सुनिश्चित करता है कि अडानी का व्यापार बढ़ता रहे।

लद्दाख के 194 प्रशिक्षित अग्निवीर भारतीय सेना में हुए शामिल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारतीय सेना में गुरुवार को अग्निवीर जवानों का एक नया बैच शामिल हुआ। खास बात यह है कि इस बार अग्निवीरों का यह बैच लद्दाख से है। लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर लेह में गुरुवार को एक भव्य पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। इसमें 194 प्रशिक्षित अग्निवीरों ने लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंट में अग्निवीर सैनिक के रूप में प्रवेश किया। यह परेड भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं के अनुरूप आयोजित की गई। परेड का निरीक्षण यूनिफॉर्म फोर्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, मेजर जनरल गुरपाल सिंह, वाईएसएम, एसएम ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। समारोह में सैन्य व नागरिक अधिकारीगण और अग्निवीरों के माता-पिता (अभिभावक) भी उपस्थित थे।

सिक्किम : लाचेन और चाटन में फंसे पर्यटकों को निकालने के प्रयास जारी

✷ वेबवार्ता. गंगटोक ✷। सिक्किम के उत्तरी भाग में भूस्खलन से तबाह हुए लाचेन और चाटन से फंसे पर्यटकों को निकालने के प्रयास में सशस्त्र बलों ने गुरुवार को पाकयोंग ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के नौ कर्मियों के साथ दो हेलीकॉप्टर भेजे। आधिकारिक सूत्रों ने गंगटोक में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'उत्तरी सिक्किम में चल रही आपदा पर बचाव प्रयासों के समर्थन में दिन की पहली उड़ान, दो एमआई-41 और एमआई-39, आज सुबह पाकयोंग ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे से चाटन की ओर सफलतापूर्वक रवाना हुईं। एक बयान में कहा गया, 'विमान में एनडीआरएफ के नौ कर्मी शामिल हैं, जो अपने उपकरणों के साथ चल रही आपदा राहत के लिए सहायता प्रदान करेंगे।' सूत्रों ने कहा कि हेलीकॉप्टर बादल छाए रहने के बीच उत्तरी जिले की ओर उड़े। बुधवार को फंसे हुए पर्यटकों को हवाई मार्ग से निकालने के दो प्रयास विफल रहे।

कोरोना संक्रमण के कुल सक्रिय मामलों की संख्या 4866 पहुंची सात और मरीजों की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। देशभर में कोराना संक्रमण धीरे-धीरे बढ़ रहा है और कुल सक्रिय मामलों की संख्या गुरुवार सुबह बढ़कर 4866 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों में इसके संक्रमण से सात और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 51 पहुंच गयी है।केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार आज सुबह आठ बजे तक देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 4866 पहुंच गयी। अभी तक 3955 मरीजों को स्वास्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और एक जनवरी से अब तक 51 लोगों की मौत हुयी है। पिछले 24 घंटों में कोराना संक्रमण के कुल 1245 मामले सामने आये हैं। जिनमें सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल में भी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इसी अवधि में कोरोना संक्रमण के 564 नये सक्रिय मामले सामने आये हैं और 674 मरीजों के स्वास्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है।

लाचेन और चाटन से फंसे पर्यटकों को निकालने के प्रयास जारी

✷ वेबवार्ता. गंगटोक ✷

सिक्किम के उत्तरी भाग में भूस्खलन से तबाह हुए लाचेन और चाटन से फंसे पर्यटकों को निकालने के प्रयास में सशस्त्र बलों ने गुरुवार को पाकयोंग ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के नौ कर्मियों के साथ दो हेलीकॉप्टर भेजे।

आधिकारिक सूत्रों ने गंगटोक में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'उत्तरी सिक्किम में चल रही आपदा पर बचाव प्रयासों के समर्थन में दिन की पहली उड़ान, दो एमआई-41 और एमआई-39, आज सुबह पाकयोंग ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे से चाटन की ओर सफलतापूर्वक रवाना हुईं।

एक बयान में कहा गया, 'विमान में एनडीआरएफ के नौ कर्मी शामिल हैं, जो अपने उपकरणों के साथ चल रही आपदा राहत के लिए सहायता प्रदान करेंगे।'

सूत्रों ने कहा कि हेलीकॉप्टर बादल छाए रहने के बीच उत्तरी जिले की ओर उड़े। बुधवार को फंसे हुए पर्यटकों को हवाई मार्ग से निकालने के दो प्रयास विफल रहे।

बयान में कहा गया है कि पूर्व में पाकयोंग से लाचेन की दूरी समुद्र तल से लगभग 9000 फीट ऊपर लगभग 130 किमी है। सशस्त्र बलों के हेलीकॉप्टरों में बिजली विभाग और दूरसंचार विशेषज्ञों की एक टीम भी शामिल है जिसका मिशन सड़क मार्ग से दुर्गम क्षेत्रों में उपग्रह-आधारित तकनीकों और पोर्टेबल बैकअप बैटरियों का उपयोग करके दूरसंचार

और बिजली सहित आवश्यक सेवाओं को बहाल करना है। इस बीच आवश्यक उपकरणों के साथ संचार शाखा के पुलिस कर्मियों की एक टीम भी भेजी गई है ताकि प्रभावित लोगों के जीवन में सामान्य स्थिति बहाल की जा सके, जो 29 मई की शाम को आपदा आने के बाद से बाकी दुनिया से कटे हुए हैं। बयान में कहा गया 'क्षेत्र में लगातार खराब मौसम के कारण, पाकयोंग ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर की उड़ानें अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गईं, जिससे आगे की निकासी में देरी हुई।

एक मीडिया बयान में कहा गया है कि जैसे ही मौसम की स्थिति में सुधार हुआ, लाचेन में फंसे पर्यटकों को निकालने में सहायता के लिए दो हेलीकॉप्टरों की तैनाती के साथ एक मिशन चलाया गया। एक विज्ञप्ति में कहा गया 'यह तैनाती दूरदराज के क्षेत्र में जमीनी पहल को मजबूत करने के लिए है, जहां हाल ही में प्राकृतिक व्यवधानों ने पहुंच को काफी प्रभावित किया है, जिसका लक्ष्य अलग-थलग समुदायों से जुड़ना और समय पर सहायता पहुंचाना है।' सिक्किम सरकार भी सड़कों के माध्यम से चरणों में ऊंचे लाचेन से फंसे पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर निकालने की योजना बना रही है। लाचेन की ओर से स्थानीय जनता, भारतीय सेना, एनडीआरएफ और जीआरईएफ की टीमें फंसे हुए पर्यटकों के लिए सड़क को सुरक्षित बनाने के लिए पैदल पथ और अस्थायी लकड़ी के पुल बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं।

एसडीएम कार्यालय, एनडीआरएफ, जीआरईएफ और स्थानीय स्वयंसेवकों के साथ पहुंच बहाल करने और आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए इसी तरह के प्रयासों में लगे हुए थे।

पीएम मोदी ने लगाया कच्छ की महिलाओं से मिला सिंदूर का पौधा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई भी दी।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अपने 7 लोक कल्याण मार्ग पर सिंदूर पौधे को रोपित किया। पीएम को यह पौधा उनकी कच्छ यात्रा के दौरान महिलाओं ने भेंट किया था।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "1971 के युद्ध में साहस और पराक्रम की अद्भुत मिसाल पेश करने वाली कच्छ की वीरांगना माताओं-बहनों ने हाल ही में गुजरात के दौरे पर मुझे सिंदूर का पौधा भेंट किया था।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आज मुझे उस पौधे को नई दिल्ली के प्रधानमंत्री आवास में लगाने का सौभाग्य मिला है। यह पौधा हमारे देश की नारीशक्ति के शौर्य और प्रेरणा का सशक्त प्रतीक बना रहेगा।"

हाल ही में पीएम मोदी गुजरात के कच्छ दौरे पर गए थे, जहां उनसे 1971 के युद्ध में अद्भुत साहस दिखाने वाली वीरांगनाओं ने मुलाकात की थी और इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को सिंदूर का पौधा भेंट किया। इस भाव से प्रभावित होकर पीएम मोदी ने वादा किया था कि वह इसे अपने निवास पर लगाएंगे।

वाहन बिक्री घटना, महंगाई का बढ़ना आर्थिक संकट का इशारा : राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि देश में दुपहिया और चार पहिया वाहनों की बिक्री घटना गंभीर आर्थिक संकट की तरफ इशारा करता है और इससे स्पष्ट है कि देश की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और आम लोगों को सरकार की गलत आर्थिक नीतियों का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

श्री गांधी ने गुरुवार को कहा कि एक तरफ वाहनों और मोबाइल जैसी आवश्यक वश्तु की बिक्री घट रही है तो दूसरी तरफ शिक्षा, मकान का किराया और घरेलू काम की वश्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं जिसमें आम आदमी पिस रहा है और सरकार आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के कोई प्रयास नहीं कर रही है।

उन्होंने कहा, "पिछले एक साल में दुपहिया वाहन की बिक्री 17 प्रतिशत और कार की बिक्री 8.6 प्रतिशत घट गई है। वहीं मोबाइल मार्केट सात प्रतिशत गिर गया है। दूसरी तरफ, ख़र्च और कर्ज़-दोनों लगातार बढ़ रहे हैं। मकान का किराया, घरेलू महंगाई, शिक्षा का खर्च, लगभग हर चीज़ महंगी होती जा रही है।"

श्री गांधी ने कहा कि ये सिर्फ़ आंकड़े नहीं हैं बल्कि उस आर्थिक दबाव की हक़ीक़त है जिसके नीचे आम भारतीय पिस रहा है। देश को ऐसी राजनीति चाहिए जो निवेश की चमक से नहीं बल्कि आम ज़िंदगी की सच्चाई से जुड़ी हो। देश को ऐसी राजनीति की जरूरत है जो सही सवाल पूछे, हालात को समझे और ज़िम्मेदारी से जवाब दे। हमें ऐसी अर्थव्यवस्था चाहिए जो हर भारतीय के लिए काम करे, न कि सिर्फ़ कुछ गिने-चुने पूंजीपतियों के लिए।

मोदी शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर को देंगे 46 हजार करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

जम्मू-कश्मीर के लिए 6 जून का दिन ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस दिन (शुक्रवार को) केंद्र शासित प्रदेश को कई महत्वपूर्ण आधारभूत संरचनात्मक परियोजनाओं की सौगात देंगे, जिनकी कुल लागत लगभग 46 हजार करोड़ रुपए है।

इन परियोजनाओं में दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल चिनाब ब्रिज, भारत का पहला केबल-स्टे रेल ब्रिज अंजी ब्रिज और उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना शामिल हैं। साथ ही, श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर तक वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन शुरू किया जाएगा।

पीएम मोदी ने इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "कल, 6 जून, मेरे जम्मू-कश्मीर के बहनों और भाइयों के लिए वाकई में एक खास दिन है। 46 हजार करोड़ रुपए की महत्वपूर्ण आधारभूत परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा है, जो लोगों के जीवन पर बहुत सकारात्मक प्रभाव डालेगा।"

पीएम मोदी ने लिखा, "वास्तुकला की एक असाधारण उपलब्धि होने के अलावा, चिनाब रेल पुल जम्मू और श्रीनगर के बीच संपर्क में सुधार करेगा। अंजी ब्रिज चुनौतीपूर्ण इलाके में भारत का पहला केबल-स्टेड रेल पुल है।"

उन्होंने लिखा, "उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना सभी मौसम में संपर्क सुनिश्चित करती है और श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर तक वंदे भारत ट्रेनें आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देंगी तथा आजीविका के अवसर पैदा करेंगी।"

इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री के दौरे से पहले चिनाब ब्रिज का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल, चिनाब ब्रिज का दौरा किया, जहां कल (शुक्रवार को) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के लिए तैयारियों की समीक्षा की।

कल जम्मू-कश्मीर के लिए एक ऐतिहासिक दिन होगा जब आखिरकार घाटी देश के बाकी हिस्सों से एक रेलवे लिंक के माध्यम से जुड़ेगी, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा।"

पुलिस की यातना में व्यक्ति की मृत्यु पर आयोग ने लिया संज्ञान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने हैदराबाद में पुलिस यातना में एक व्यक्ति की मृत्यु को स्वतः संज्ञान लेते हुए तेलंगाना के पुलिस महानिदेश को नोटिस भेजकर जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले में विश्तृत रिपोर्ट मांगी है।

एनएचआरसी ने उस मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें कहा गया है कि 13 मई को तेलंगाना में हैदराबाद के राजेंद्रनगर थाने में पुलिस द्वारा कथित शारीरिक यातना देने से एक 35 वर्षीय ऑटो-रिक्शा चालक की मौत हो गई थी। इस बारे में 14 मई की मीडिया रिपोर्ट में पीड़ित का उसकी पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। मामला सुलझाने के लिए पुलिस उसे थाने ले गई थी। दंपति की काउंसलिंग के बाद, व्यक्ति को एक कमरे में ले जाया गया, जहां पुलिसकर्मियों ने उसे रबर की बेल्ट से बुरी तरह पीटा। एक घंटे बाद, जब वह थाने से बाहर आया, तो उसे उल्टी होने लगी और वह गिर पड़ा। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आयोग ने कहा है कि मीडिया रिपोर्ट यदि सत्य है, तो यह पीड़ित के मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है इसलिए तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर मामले में दो सप्ताह के भीतर विश्तृत रिपोर्ट मांगी है।

जासूसी के आरोप में गिरफ्तार कासिम और हसीन की रिमांड बढ़ी, 12 जून को फिर होगी पेशी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पाकिश्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार कासिम और हसीन को गुरुवार को दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने उनकी रिमांड बढ़ाने की मांग की। अदालत ने पुलिस की दलीलों को सुनने के बाद दोनों की रिमांड 7 दिन के लिए बढ़ा दी है। कासिम और हसीन की अगली पेशी 12 जून को होगी।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, पहलगाम हमले के बाद दोनों आरोपियों ने भारतीय सेना से जुड़ी कुछ संवेदनशील और महत्वपूर्ण जगहों की जानकारी पाकिश्तान को भेजी थी।

पुलिस ने कोर्ट में दावा किया है कि कासिम और हसीन ने गिरफ्तारी से पहले अपने मोबाइल फोन से महत्वपूर्ण डेटा डिलीट कर दिया था। हालांकि, पुलिस की साइबर की टीम ने डिलीट किया हुआ डेटा रिकवर कर लिया है। अ

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों व उनके मददगारों के 32 ठिकानों पर एनआईए का छापा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर में आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ गुरुवार को व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

इस दौरान 32 ठिकानों पर छापेमारी की गयी। यह ठिकाने पाकिश्तान समर्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के हाइब्रिड आतंकियों और ओवरग्राउंड वर्करों के थे।

एनआईए के अनुसार, जिन संगठनों से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापमारी की गयी है उनमें टीआरएफ, यूएलएफ जेएंडके, एमजीएच, जेकेएफएफ, कश्मीर टाइगर्स और पीएएएफ शामिल हैं। ये सभी लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, अल बदर जैसे आतंकी संगठनों से जुड़े हैं। इनका मकसद जम्मू-कश्मीर को अस्थिर करना है।

एनआईए की जांच में सामने आया कि ये आतंकी संगठन युवाओं को कट्टरपंथी बना रहे हैं। साथ ही ओवरग्राउंड वर्करों के जरिए हथियार, आईईडी, चिपचिपे बम, ड्रग्स और फंड जुटाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया और ऑनलाइन ऐप्स का इश्तेमाल कर आतंकी पाकिश्तान से इन गतिविधियों को संचालित कर रहे हैं। हथियार, गोला-बारूद और ड्रग्स पहुंचाने के लिए ड्रोन का उपयोग हो रहा है।

छापेमारी के दौरान दो जिंदा कारतूस, एक फायर्ड बुलेट हेड और एक बायोनेट बरामद हुआ है। इसके अलावा डिजिटल डिवाइस और दश्तावेज मिले हैं, जिनमें बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री है। एनआईए अब इन सामग्री की गहराई से जांच करेगी। एजेंसी की कार्रवाई फिलहाल जारी है।

जम्मू-ऊधमपुर-बानिहाल-श्रीनगर रेल खंड : वंदेभारत एक्सप्रेस के परिचालन की अधिसूचना जारी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय रेलवे ने जम्मू-ऊधमपुर-बानिहाल-श्रीनगर रेल खंड पर दो नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के परिचालन की अधिसूचना जारी कर दी है।

रेलवे सूत्रों के मुताबिक गाड़ी संख्या 26401 जम्मू तवी श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन सप्ताह में 6 दिन किया जाएगा। यह गाड़ी प्रतिदिन सुबह 8:10 पर श्री माता वैष्णो देवी कटरा से चलेगी और 9:58 पर बानिहाल पहुंचेगी। 11:10 बजे इसका समय श्रीनगर स्टेशन पर है। गाड़ी संख्या 26403 सप्ताह में 6 दिन 14.55 पर श्री माता वैष्णो देवी कटरा से खुलेगी और बानिहाल होते हुए शाम में 18:00 बजे श्रीनगर पहुंचेगी। श्रीनगर से प्रतिदिन दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन होगा।

गाड़ी संख्या 26404 श्रीनगर जम्मू तवी वंदे भारत एक्सप्रेस बुधवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन सुबह 8:00 बजे श्रीनगर स्टेशन से चलेगी और 9:02 पर बानिहाल पहुंचेगी। यह गाड़ी 11:05 पर श्री माता वैष्णो देवी कटरा पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 26402 मंगलवार को छोड़कर प्रतिदिन दोपहर 14:00 बजे श्रीनगर स्टेशन से खुलेगी और 15:10 पर बानिहाल तथा 17:05 पर श्री माता वैष्णो देवी कटरा पहुंचेगी।

भारतीय रेलवे ने रचा इतिहास, टिकट बुकिंग में बनाया रिकॉर्ड

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय रेलवे ने बताया कि 22 मई को प्रति मिनट 31,814 टिकट बुक की गई हैं। रेलवे के इतिहास में टिकट बुकिंग का यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

यह आंकड़ा रेलवे के टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म की क्षमता को भी दिखाता है।

इसके अलावा रेलवे ने बताया कि अनधिकृत ऑटोमेटेड बुकिंग पर कार्रवाई करते हुए उसके एआई संचालित सिस्टम ने टिकट बुकिंग के लिए 2.5 करोड़ संदिग्ध यूजर र्आईडी को निष्क्रिय कर दिया है।

रेल मंत्रालय ने बयान में बताया कि निष्पक्षता और दक्षता को और बढ़ाने के लिए नए यूजर प्रोटोकॉल जारी किए जाएंगे।रेलवे ने कहा, "जिन यूजर्स ने आधार के जरिए ऑथेंटिकेशन नहीं किया होगा, वे एडवांस रिजर्वेशन पीरियड (एआरपी), तत्काल और प्रीमियम तत्काल की टिकट पंजीकरण के तीन दिन बाद बुक कर पाएंगे। वहीं, आधार-वेरिफाइड यूजर्स बिना किसी देरी के टिकट की बुकिंग कर सकते हैं।" रेलवे ने बताया, एवरेज डेली यूजर लॉगिन वित्त वर्ष 2023-24 में 69.08 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 82.57 लाख हो गया है, जो 19.53 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जबकि इसी अवधि में एवरेज डेली टिकट बुकिंग में 11.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

आईटीआई में प्रवेश के लिए 22 जून तक किए जा सकते हैं आवेदन

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बिजनौर ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद बिजनौर में संचालित राजकीय आई.टी.आई. बिजनौर/ नगीना/ नजीबाबाद, धामपुर, एवं कल्लूवाला, अफजलगढ़, (स्थित राजकीय आई.टी.आई. बिजनौर) एंव समश्त निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में संचालित विभिन्न एक वर्षीय एवं दो वर्षीय व्यवसायों जिनमें टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से सचांलित व्यवसाय भी सम्मिलित है। अगश्त-2025 से प्रारम्भ होने वाले सत्र में मेरिट के आधार पर प्रवेश आवेदन ऑनलाइन करने के लिये प्रक्रिया जो 05 जून को समाप्त हो रही थी, को बढा कर 22 जून 2025 कि रात्री 12 बजे तक कर दिया गया है। जो अभ्यार्थी अभी तक आवेदन नहीं कर पाये हैं। वे अपना आवेदन निर्धारित तिथि तक बेबसाइट www.scvtup.in पर ऑनलाईन करें।

गंगा के पौराणिक घाट बने नशे के अड्डे, समिति ने जताई चिंता

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। पौराणिक दारानगर गंज में गंगा सुधार कमेटी की वार्षिक बैठक पौराणिक गंगा घाट पर हुई जिसमें आय व्यय का उल्लेख करते हुए आगामी योजना पर विचार किया गया। इस मौके पर घाटों का निरीक्षण पदाधिकारियों ने करते हुए घाटों पर व्याप्त गंदगी पर चिंता जताई वही नशेड़ियों द्वारा घाटों पर नशा करने किये जाने के बारे में प्रशासन को जानकारी देने व इस पर अंकुश लगाने की मांग की गई है। उल्लेखनीय है कि इन ऐतिहासिक महत्व के घाटों पर गंगा जी की दूरी होने के कारण वर्षो से विरानी छाई हुई है जिसका लाभ उठाकर नशेड़ी बड़ी संख्या में इन घाटों पर नशें का उपयोग करते है इसका प्रमाण घाटों पर नशे की दवाइयां, सिरींज तथा रेपर का एकत्र ढ़ेर था जों घाटों पर नशेड़ियों का के वर्चस्व की कहानी बयां कर रहा था। समित के अध्यक्ष विकास अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राकेश कुमार, अनिल सक्सेना, पंडित हरिओम शर्मा, कौशल अग्रवाल, नरेन्द्र कुमार मारवाड़ी, आशुतोष अग्रवाल,डीपी सिंह, प्रदीप अग्रवाल,नारायण किशोर शर्मा,दीपक अग्रवाल, नवनीत माहेश्वरी आदि मौजूद रहे।

टोलकर्मी का शव मिलने पर आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने हत्या का आरोप लगाते हुए हाइवे किया जाम

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। बिजनौर से नजीबाबाद हाइवे स्थित भनेड़ा टोल पर उस समय हंगामा हो गया जब टोलकर्मी का शव जेनरेटर में मिलने के बाद परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए कई घंटे हाइवे जाम कर दिया तथा दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। मामला किरतपुर थाना अंतर्गत भनेड़ा टोल का है जहां पर संदीप कुमार 30 वर्षीय पुत्र रुप चंद निवासी ग्राम भट्टपुर नैन अपनी ड्यूटी पर रात आठ बजे पहुंचा था जिसका शव आज बृहस्पतिवार की सवेरे जेनरेटर में पड़ा मिला सूचना पर पहुंचे परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा तथा हाइवे पर जाम लगा दिया। बताया गया है कि अविवाहित मृतक संदीप काफी मिलनसार था, मृतक के सिर पर काफी कटें हुए बड़े घाव पायें गये जिसे किसी धारदार हथियार का बताया जा रहा है, घटना के बाद टोल मैनेजर व जिम्मेदार लोग फरार हो गए। मौके पर एडीशनल एसपी, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगीना, पुलिस क्षेत्राधिकारी नजीबाबाद, थाना प्रभारी किरतपुर थाना प्रभारी नजीबाबाद व भारी पुलिस बल मौजूद रहा, आक्रोशित लोगों ने मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता व दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है पुलिस अधिकारियों के द्वारा आश्वासन के बाद जाम हटाया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया ने स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया के माध्यम से टीम बिजनौर द्वारा हिंदू इंटर कॉलेज नगीना के सामने ओशो कल्याण मित्र नर्सिंग होम में आज प्रातः 10:00 बजे से रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया जिसमें डॉ मंजू चौहान, डॉ जसविंदर कौर नूरपुर एवं नगर पालिका अध्यक्ष ताहिरा बेगम नगीना ,नगर के गणमान्य पदाधिकारी, डिस्ट्रिक्ट डायरेक्टर रामानंद सागर आदि मौजूद रहे। रक्तदान की शुरुआत शैलेंद्र कुमार मित्तल द्वारा की गई तत्पश्चात नीतू वर्मा नेहा वर्मा रूपा शर्मा दीपक कुमार दीपक मल्होत्रा शुभम मित्तल अजय ठाकुर मित्तल आदि सहित 40 यूनिट रक्तदान किया गया बताते चलें कार्यक्रम के समापन के दौरान अंतिम रक्तदान करने वाली एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की स्टेट चेयरपर्सन विशाखा मित्तल एक यूनिट रक्तदान करके लोगों को मैसेज दिया की खून नालियों में ना बहे नाडियों में में बह ताकि समाज में एक भाईचारा कायम रहे रक्तदान शिविर के पश्चात विशाखा मित्तल दीपक मल्होत्रा सहित सभी एंटी करप्शन के सदस्यों ने मिलकर वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी किया।

हिमाचल के सरकारी अस्पतालों में 10 रुपये की पर्ची वाला आदेश किसका? सीएम सुक्खू ने बताया

शिमला एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में ओपीडी पर्ची के लिए 10 रुपये शुल्क वसूली के फैसले को लेकर उठे सवालों के बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि यह निर्णय सरकार की ओर से थोपा नहीं गया है। उन्होंने कहा कि यह सुझाव खुद अस्पतालों की रोगी कल्याण समितियों से आया था। उन्होंने कहा कि यह फैसला कैबिनेट की उप-समिति की सिफारिश पर लिया गया,लेकिन इसका अंतिम अधिकार संबंधित अस्पतालों की रोगी कल्याण समितियों को दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की ओर से इस संबंध में कोई अनिवार्य निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। हमने अस्पतालों को अटोनॉमस (स्वायत्त) कर दिया है। यदि कोई अस्पताल चाहता है कि वह अपनी सफाई व्यवस्था और रख-रखाव को बेहतर बनाए तो वह पर्ची शुल्क वसूल सकता है। अगर किसी अस्पताल के पास पहले से संसाधन उपलब्ध हैं तो वे यह शुल्क नहीं भी ले सकते।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्णय रोगी कल्याण समितियों के विवेक पर छोड़ा गया है जिसमें स्थानीय प्रतिनिधि शामिल होते हैं। सरकार ने केवल एक साझा सुझाव के तौर पर यह राय दी है कि अस्पताल अपनी जरूरतों के अनुसार यूजर चार्ज लगा सकते हैं या नहीं। इससे पहले राज्य सरकार ने स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से एक

अधिसूचना जारी की थी। इसमें कहा गया था कि सभी सरकारी अस्पतालों में ओपीडी पंजीकरण के लिए मरीजों से 10 रुपये लिए जाएंगे। यह कदम अस्पतालों में स्वच्छता, बुनियादी ढांचे के रखरखाव और चिकित्सा उपकरणों की स्थिति सुधारने के उद्देश्य से उठाया गया है। स्वास्थ्य विभाग के सचिव द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि रोगी कल्याण समितियों को अब यह अधिकार है कि वे अपने स्तर पर अस्पतालों की सेवाओं में सुधार के लिए आवश्यक धनराशि जुटा सकें। पर्ची शुल्क से मिलने वाली राशि को अस्पताल की स्वच्छता व्यवस्था, भवनों की मरम्मत, उपकरणों की देखभाल और अन्य मूलभूत सेवाओं पर खर्च किया जाएगा। बता दें कि प्रदेश में हर दिन हजारों मरीज सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें सबसे अधिक भीड़ शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी),मेडिकल कॉलेजों व जिला अस्पतालों में देखी जाती है।

सिद्धारमैया को पता था आरसीबी के जश्न में लोग मर रहे हैं, पर वह हलवा खाने गए

बैगलूरू , एजेंसी।
आरसीबी की जीत पर जश्न के बाद भगदड़ को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने ष्टरू सिद्धारमैया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा का कहना है कि भगदड़ की जानकारी लगने के बाद भी कार्यक्रम को नहीं रोका गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री को हादसे की जानकारी लग गई थी, लेकिन वह अस्पताल में घायलों को देखने के बजाए होटल में भोजन करने चले गए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष सी नारायणस्वामी ने आरोप लगाए हैं कि भगदड़ में कई लोगों की मौत की जानकारी लगने के बाद भी सिद्धारमैया ने होटल जाकर बादाम का हलवा खाना चुना। उन्होंने कहा, हालात का जायजा लेने और अस्पताल में घायलों को देखने के बजाए मुख्यमंत्री बादाम का हलवा खाने के लिए होटल चले गए। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा का दावा है कि खिलाड़ियों के आयोजन स्थल पर पहुंचने से पहले ही भगदड़ शुरू हो गई थी। साथ ही दावा किया है कि मुख्यमंत्री के विधानसभा आने से पहले ही कुछ पीड़ितों की मौत हो चुकी थी। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि घटना

की जानकारी लगने के बाद भी सिद्धारमैया ने कार्यक्रम जारी रखा। बीजेपी का कहना है कि 32 साल के पूर्णचंद्र की वैदेही अस्पताल में करीब 3 बजकर 45 मिनट पर मौत हुई थी। वहीं, उसी अस्पताल एक और शख्स ने करीब 4 बजे दम तोड़ा। कर्नाटक भाजपा प्रमुख बीवाई विजयेंद्र का कहना है कि मौतों की जानकारी लगने और लोगों के घायल होने की खबरों के बाद भी सरकार ने जश्न जारी क्यों रखा। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों के ताज वेस्ट एंड से निकलने से पहले ही चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ हो गई थी। भाजपा नेता आर अशोक ने राज्य की सिद्धरमैया नीत कांग्रेस सरकार पर गुरुवार को कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया कि जिन लोगों ने आईपीएल ट्रॉफी उठाकर जश्न मनाया, हवाईअड्डे गए और आरसीबी टीम के साथ सेल्फी ली, वे भगदड़ में जान गंवाने वालों के घर नहीं जाएंगे। विपक्ष के नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस सरकार को हृदयहीन करार दिया और आरसीबी टीम के लिए विधान सौध में राज्य सरकार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह की तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया विराट कोहली को पगड़ी पहनाते नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार 18 साल के इंतजार के बाद आरसीबी टीम द्वारा जीती गई आईपीएल ट्रॉफी को उठाते नजर आ रहे हैं। अशोक ने आरोप लगाया, कल ट्रॉफी उठाकर और फोटो खिंचवाकर जश्न मनाने वाले लोग अब उन मासूमों के परिवारों को सांत्वना देने नहीं आएंगे जो मारे गए हैं। कल हवाई अड्डे जाकर सेल्फी लेने वाले लोग खुश थे, आज मृतकों के घर जाकर आंसू नहीं बहाएंगे। अशोक ने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने कल क्रिकेट खिलाड़ियों को पगड़ी पहनाकर और माला पहनाकर सम्मानित किया।

अगर एक हो गए उद्धव और राज ठाकरे तो भाजपा का क्या होगा? सर्वे में आई चौंकाने वाली बात

मुंबई, एजेंसी।
उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और राज ठाकरे की अगुवाई वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बीच गठबंधन होने पर भाजपा की चुनावी संभावनाओं पर कोई असर नहीं पड़ने वाला। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के एक पदाधिकारी ने आगामी मुंबई नगर निगम चुनावों के मद्देनजर कराए गए एक आंतरिक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए यह बात कही है।

भाजपा ने बृहन्मुंबई नगर निगम के साथ-साथ पुणे और ठाणे सहित अन्य प्रमुख नगर निकायों के चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है, जो इस साल के अंत में होने की संभावना है। उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई राज ठाकरे ने इस तरह के संकेत देने वाले बयान से दोनों के बीच संभावित सुलह की अटकलों को हवा दे दी है कि वे छोटे-मोटे मुद्दों को नजरअंदाज कर सकते हैं और लगभग दो दशक के कटुतापूर्ण मतभेद के बाद हाथ मिला सकते हैं।

मनसे ने 2024 के लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में भाजपा को

समर्थन की पेशकश की थी लेकिन छह महीने बाद दोनों दलों ने राज्य विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ा।

भाजपा के पदाधिकारी ने बुधवार को कहा, ठाकरे भाइयों से संबंधित राजनीतिक घटनाक्रम के मद्देनजर भाजपा ने मुंबई के चुनावी परिदृश्य पर उद्धव-राज गठबंधन के संभावित प्रभाव का आकलन करने के लिए एक विस्तृत सर्वेक्षण कराया है। उन्होंने कहा कि आंतरिक आकलन के निष्कर्षों के अनुसार, उनके संभावित गठबंधन से शहर में भाजपा की संभावनाओं को नुकसान पहुंचने के आसार नहीं हैं। पदाधिकारी ने कहा कि सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि भाजपा तीन प्रमुख कारकों की वजह से मुंबई में मजबूत स्थिति में है- अपने पारंपरिक मतदाता आधार का भरोसा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नेतृत्व और पिछले राज्य विधानसभा चुनावों में पार्टी का बेहतरीन प्रदर्शन।

उन्होंने कहा, यहां तक ??कि पारंपरिक मराठी मतदाता आधार वाले क्षेत्रों में भी भाजपा का समर्थन स्थिर बना हुआ है। सर्वेक्षण से पता चलता है कि ठाकरे भाइयों के बीच गठबंधन से पार्टी की सीट संख्या पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

दिल्ली से गुरुग्राम होकर राजस्थान जाने वाली 7 ट्रेनें एक हफ्ते रहेंगी रद्द

गुरुग्राम , एजेंसी।
दिल्ली सराय रोहिल्ला से गुरुग्राम होते हुए रेवाड़ी, जयपुर, बीकानेर और उदयपुर जाने वाले रेल यात्रियों को जुलाई में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान सात ट्रेनें रद्द रहेंगी। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल पर दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन पर न्यू इलेक्ट्रोनिक इंटरलॉकिंग पैनल के लिए नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है। इस कारण रेलवे ने 21 जुलाई से लेकर 28 जुलाई तक 7 ट्रेनें रद्द और 23 ट्रेनों को रूट में बदलाव करके चलाया जाएगा।

उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल द्वारा जारी सूचना के अनुसार, गुड़गांव होकर चलने वाली 23 ट्रेनों के रूट में बदलाव करने के साथ ही 7 ट्रेनों को आंशिक तौर रद्द की गई है। गाड़ी संख्या 12215, दिल्ली सराय-बान्द्रा टर्मिनस रेल सेवा 24, 26, 28 जुलाई को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 12216, बान्द्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रेलसेवा 23, 25 व 27 जुलाई को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 12458, बीकानेर-दिल्ली सराय रेलसेवा 20 से 27 जुलाई तक रद्द रहेगी।

गाड़ी संख्या 12065, अजमेर-दिल्ली सराय रेल सेवा जो 21 से 23 जुलाई व 25 से 28 जुलाई को अजमेर से प्रस्थान करेगी वह दिल्ली कैंट तक संचालित होगी।

गाड़ी संख्या 12066, दिल्ली सराय-अजमेर रेलसेवा 21 से 23 जुलाई व 25, 26 व 28 जुलाई को दिल्ली कैंट से प्रस्थान करेगी।

गाड़ी संख्या 14029, श्रीगंगानगर-दिल्ली रेलसेवा 24 से 28 जुलाई तक श्रीगंगानगर से प्रस्थान करेगी व रेवाड़ी तक ही संचालित होगी।

गाड़ी संख्या 22471, बीकानेर- सराय रेलसेवा 21 से 28 जुलाई तक बीकानेर से प्रस्थान करेगी

गाड़ी संख्या 20473, दिल्ली सराय-उदयपुर सिटी रेल सेवा दिल्ली कैंट से प्रस्थान करेगी।

गाड़ी संख्या 20474, उदयपुर सिटी-दिल्ली सराय रेलसेवा 20 से 27 जुलाई तक उदयपुर सिटी से प्रस्थान करेगी

गाड़ी संख्या 22472, दिल्ली सराय-बीकानेर रेलसेवा दिल्ली कैंट से संचालित होगी।

बिना डॉक्टरी सलाह के कोरोना जांच नहीं, बढ़ते केस के बीच आया ये फरमान?

गाजियाबाद , एजेंसी।
गाजियाबाद जिले में कोरोना के मरीजों का आंकड़ा 40 के पार पहुंच गया है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सभी पैथोलॉजी लैब को बिना चिकित्सीय सलाह जांच नहीं करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही अस्पतालों को आइसोलेशन वार्ड बनाने को कहा है।

स्वास्थ्य विभाग को शिकायत मिल रही थी कि थोड़ी सी खांसी,जुकाम और वायरल बुखार में मरीज खुद ही निजी पैथोलॉजी लैब में जाकर जांच करा रहे हैं। जबकि यह सामान्य बुखार है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने निजी पैथोलॉजी लैब को सख्त निर्देश दिए हैं कि बिना चिकित्सीय परामर्श के किसी भी मरीज का कोरोना टेस्ट नहीं किया जाए। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने बताया कि खुद से जांच में कोरोना की पुष्टि होने पर परिवार के साथ आस-पड़ोस में भी डर का माहौल बन रहा है। जबकि इन दिनों वायरल बुखार, खांसी मौसमी बीमारी है ।

शासन की ओर से अस्पतालों में आवश्यक दवा, पीपीई किट, जांच की सुविधा, आइसोलेशन वार्ड, ऑक्सीजन, आईसीयू और वेंटिलेटर की उपलब्धता रखने को कहा गया है।

इसके लिए संयुक्त अस्पताल में 12 बेड का वार्ड तैयार कर लिया गया है। साथ ही सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी (सारी) और आईएलआई के पांच प्रतिशत रोगियों की ही कोराना जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले में बुधवार को दो महिलाओं समेत चार लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई। अब तक कोरोना के 46 केस मिल चुके हैं। इनमें 20 सक्रिय मरीज हैं। जिनमें 18 मरीज होम आइसोलेशन और दो मरीज निजी अस्पताल में भर्ती हैं। डीएसओ डॉ. आरके गुप्ता ने बताया कि कविनगर निवासी 31 वर्षीय महिला, 28 वर्षीय युवक, कमला नेहरूनगर निवासी पुरुष और खोड़ा निवासी 58 वर्षीय महिला को खांसी, जुकाम और बुखार के बाद कराई गई जांच में रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जिले में स्थानीय स्तर पर आरटीपीसीआर जांच के लिए 500 वीटीएम किट मंगाई गई है, ताकि लोकल स्तर पर जांच का कार्य शुरू किया जा सके। आरटीपीसीआर जांच में सीटी वैल्यू 25 से कम पाए जाने पर मरीजों के नमूने जिनोम सीक्वेंसिंग के लिए लखनऊ भेजने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में कोरोना के मरीजों का आंकड़ा 40 के पार पहुंच गया है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सभी पैथोलॉजी लैब को बिना परामर्श जांच नहीं करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही अस्पतालों को आइसोलेशन वार्ड बनाने को कहा है। स्वास्थ्य विभाग को शिकायत मिल रही थी कि थोड़ी सी खांसी, जुकाम और वायरल बुखार में मरीज खुद ही निजी पैथोलॉजी लैब में जाकर जांच करा रहे हैं। जबकि यह सामान्य बुखार है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने निजी पैथोलॉजी लैब को सख्त निर्देश दिए हैं कि बिना डॉक्टरी सलाह के बिना किसी भी मरीज का कोरोना टेस्ट नहीं किया जाए। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने बताया कि खुद से जांच में कोरोना की पुष्टि होने पर परिवार के साथ आस-पड़ोस में भी डर का माहौल बन रहा है। जबकि इन दिनों वायरल बुखार, खांसी मौसमी बीमारी है । शासन की ओर से अस्पतालों में आवश्यक दवा, पीपीई किट, जांच की सुविधा, आइसोलेशन वार्ड, ऑक्सीजन, आईसीयू और वेंटिलेटर की उपलब्धता रखने को कहा गया है। इसके लिए संयुक्त अस्पताल में 12 बेड का वार्ड तैयार कर लिया गया है। साथ ही सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी (सारी) और आईएलआई के पांच प्रतिशत रोगियों की ही कोराना जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

ये सिर्फ हत्या, ईश्वर को पसंद नहीं... ईश्वर दया चाहते है खून नहीं...बकरीद से पहले वीएचपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता का बयान

जयपुर एजेंसी।
बकरीद जैसे बड़े मुस्लिम पर्व से पहले जानवरों की कुर्बानी को लेकर देशभर में विवाद एक बार फिर गहराता जा रहा है। इस बार विश्व हिंदू परिषद ने इसे पूरी तरह गैर-धार्मिक, असंवैधानिक और अमानवीय कृत्य बताते हुए इसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। परिषद का कहना है कि धर्म के नाम पर जीव हत्या किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

वीएचपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमितोष परीक ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि बकरीद पर कुर्बानी देना न तो इस्लाम की कोई धार्मिक अनिवार्यता है, न ही यह किसी नागरिक का संवैधानिक अधिकार। उन्होंने दावा किया कि कुरान शरीफ में भी कहीं यह नहीं कहा गया कि बकरीद पर जानवर की बलि देना अनिवार्य है।

अमितोष परीक ने कहा कि ईश्वर को दया, करुणा और अहिंसा पसंद है, न कि निर्दोष जानवरों की हत्या। उन्होंने आगे कहा कि कुर्बानी जैसी परंपराएं आज के सभ्य समाज में पूरी तरह से बर्बर और अस्वीकार्य हैं।

यह सोच पूरी तरह गलत है कि कुर्बानी से अल्लाह खुश होता है।

क्या किसी जीव की हत्या कर कोई परमेश्वर प्रसन्न हो सकता है? अगर नहीं, तो फिर इसे धार्मिक कर्तव्य कहना ही गलत है। विश्व हिंदू परिषद ने उन हालातों पर भी सवाल उठाए हैं, जहां मुस्लिम समुदाय के लोग अब बंद कमरों या फ्लैट्स में कुर्बानी करने लगे हैं। परिषद ने इसे पाप को छिपाने का प्रयास बताते हुए कहा -चाहे हत्या खुले में हो या कमरे के भीतर, वह हत्या ही कहलाएगी। कमरे में दरवाजा बंद कर लेने से हत्या का पाप कम नहीं हो जाता। वीएचपी का दावा है कि यह धार्मिक नहीं बल्कि सामाजिक अपराध है, और इस पर सख्ती जरूरी है।जैसे सती और बाल विवाह बंद हुए, वैसे ही कुर्बानी भी रुके'

वीएचपी प्रवक्ता ने कुर्बानी को एक कुप्रथा करार देते हुए कहा कि जैसे भारत में सती प्रथा, बाल विवाह और नरबलि जैसी कुरीतियों को समाप्त किया गया, वैसे ही अब समय है कि बकरीद की कुर्बानी जैसी हिंसक परंपराओं पर भी रोक लगे।

कोई भी धर्म हिंसा की अनुमति नहीं देता। अगर प्राचीन हिंदू परंपराओं को कानून के जरिये सुधारा जा सकता है, तो बकरीद पर कुर्बानी की परंपरा को भी बंद किया जाना चाहिए, परीक ने कहा। पशु अधिकारों की अंतरराष्ट्रीय संस्था पेटा (पीपुल्स फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स) को लेकर भी वीएचपी ने नाराजगी जाहिर की है।

देरी करने के मूड में नहीं, इसी महीने नोएडा एयरपोर्ट पूरा करने की मिली डेडलाइन

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का काम 30 जून तक पूरा होना है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) और अन्य एजेंसियों की पिछले महीने हुई बैठक में नई तिथि नियत की गई थी। कार्य की प्रगति पर एजेंसियां रिपोर्ट तैयार कर रही हैं। नोएडा एयरपोर्ट से जल्द उड़ानें शुरू करने की तैयारी है। जुलाई में व्यावसायिक विमान सेवा शुरू होने के कयास लगा जा रहे हैं। इसमें सबसे अहम भूमिका एयरपोर्ट पर सभी प्रकार के निर्माण कार्यों के पूरा होने की है, जिस पर अधिकारियों का जोर है।

बीते माह एएआई,डीजीसीए,बकास,नायल और यापल समेत टाटा प्रोजेक्ट के अफसरों के बीच एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों को पूरा करने के लिए समय सीमा निर्धारित की गई थी,जो इसी महीने पूरी होने वाली है। अभी तक अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल के काम में देरी होने से जहां पहले केवल घरेलू और कार्गो विमान सेवा को शुरू करने पर जोर दिया जा रहा था,अब दावा किया जा रहा है कि पहले दिन सभी प्रकार की फ्लाइटें शुरू की जाएंगी। तर्क दिया गया है कि यह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट है।

ट्रांस हिंडन जोन में 209 मोबाइल फोन बरामद किए

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। जोन की स्वाट टीम ने अलग-अलग समय पर चोरी व गुम हुए और छीने गए 209 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद होने वाले फोन इंदिरापुरम, साहिबाबाद, खोड़ा, कौशांबी, लिंकरोड, शालीमार गार्डन और टीलामोड़ थानाक्षेत्र से संबंधित हैं। पुलिस इन्हें लोगों को लौटाएगी। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने गुरुवार को थाना साहिबाबाद में प्रेसवार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बरामद हुए मोबाइलों में 201 फोन गुम हुए थे। छह चोरी किए गए थे, जबकि दो फोन बदमाशों ने छीने थे। ये सभी फोन देश के अलग-अलग राज्यों में इश्तेमाल किए जा रहे थे। सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल पर इनका डाटा सेव था। इसी पोर्टल से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने मोबाइल फोन बरामद किए हैं। प्रेसवार्ता के दौरान पांच मोबाइल फोन उनके स्वामियों को सौंपे।

अधिवक्ता की मां से स्कूटी सवारों ने सोने की चेन लूटी, पिस्टल लहराई

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर की हरमुखपुरी कॉलोनी में स्कूटी सवार बदमाशों ने अधिवक्ता की मां के गले से सोने की चेन लूट ली। लूट की वारदात करने के बाद स्कूटी सवार हथियार लहराते हुए फरार हो गए। इस मामले में पीड़िता के बेटे ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, धीरज कौशिश मोदीनगर तहसील में अधिवक्ता की प्रेक्टिस करते हैं। उन्होंने शिकायत में बताया कि बुधवार शाम उनकी मां शकुन्तला शर्मा पार्क में टहलने जा रही थीं। तभी काली स्कूटी पर सवार दो बदमाश उनके पास पहुंचे और शकुंतला शर्मा के गले से सोने की चेन छीन ली। फिर बदमाश हवा में पिस्टल लहराते हुए दिल्ली मेरठ रोड की तरफ फरार हो गए। हालांकि भागते वक्त उनकी पिस्टल की मैगजीन निकलकर सड़क पर गिर गई, जो पीड़ित परिवार ने पुलिस के दे दी है। अधिवक्ता ने बताया कि वह चेन करीब ढाई तोले की है, जिसकी कीमत करीब ढाई लाख रुपये है। चेन लूट की वारदात कॉलोनी में लगे सीसीटीवी में भी कैद हो गई है।

अवैध निर्माण करने वाले पर केस

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। जीडीए प्रवर्तन जोन-एक में तैनात अवर अभियंता सीपी शर्मा ने नंदग्राम थाने में केस दर्ज कराया है। उनका कहना है कि कुलदीप त्यागी द्वारा नूरनगर सिहानी गांव में 180 वर्गमीटर भूमि पर दुकान का निर्माण कराया जा रहा था। निर्माण संबंधी कोई स्वीकृति नहीं दिखाने पर जीडीए ने वाद योजित कर 30 नवंबर 2024 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिसमें सुनवाई की तिथि 26 दिसंबर 2024 निर्धारित थी। निर्माणकर्ता न तो तिथि पर उपस्थित हुआ और न ही कोई प्रति उत्तर दाखिल किया गया। जिसके चलते 26 मार्च 2025 को भवन पर सील लगा दी गई। अवर अभियंता के मुताबिक स्थलीय निरीक्षण में पता चला कि कुलदीप त्यागी द्वारा सील तोड़कर दुकान का संचालन किया जा रहा है। सक्षम अधिकारी द्वारा पारित सीलिंग के आदेश का उल्लंघन करने पर निर्माणकर्ता के खिलाफ केस दर्ज कराने के लिए अवर अभियंता ने नंदग्राम थाने में शिकायत दी। सीओ पूनम मिश्रा ने बताया कि तीन जून के आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

जंजीर से बांधकर पीटने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। साहिबाबाद थानाक्षेत्र में रहने वाली महिला ने पति व ससुरालियों पर जंजीर से बांधकर पीटने और ताने देने का आरोप लगाया है। बुधवार को पुलिस ने पति, देवर, देवरानी, सास, जेठ व जेठानी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़िता का कहना है कि संतान न होने के कारण ससुराली बांझ कहकर ताने देते हैं। आए दिन इसको लेकर मारपीट की जाती है और घर से निकाल देते हैं। घंटों वह घर के बाहर ही पड़ी रहती हैं। छह माह पहले ससुरालियों ने उन्हें बुरी तरह पीटा, जिसके बाद से ही वह भाई के घर पर रह रही हैं।

बदमाशों ने फर्नीचर कारोबारी से मारपीट कर नाक तोड़ी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। इंदिरापुरम थाना इलाके में चार युवकों ने फर्नीचर कारोबारी से मारपीट कर नाक तोड़ दी। घटना दो जून को रात की बताई जा रही है, जिसकी बुधवार को रिपोर्ट दर्ज की गई है। दिल्ली के घडोली एक्सटेंशन निवासी रोहित ने पुलिस को बताया कि उनकी फर्नीचर की दुकान इंदिरापुरम में है। दो जून की रात 10 बजे उनका भाई दीपक दुकान बंद कर घर लौट रहा था। अभयखंड में विवेक, भोला व उसके दो साथियों ने दीपक को रोका और लाठी-डंडे से बुरी तरह पीटा। इस कारण उसकी नाक में फ्रेक्चर हो गया और चेहरे व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आई है। भाई का इलाज दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में चल रहा है। आरोपियों से उनकी पूर्व में कहासुनी हुई थी। आरोप है कि हत्या के इरादे से हमला किया गया था।

ऑटो में बैठे युवक से बाइक सवार दो बदमाशों ने मोबाइल छीना

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। दिल्ली सीमा के नजदीक लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र की खन्ना नगर कालोनी स्थित रेस्टोरेंट के पास दिल्ली सहारनपुर रोड पर बाइक सवार दो बदमाश ऑटो सवार युवक का मोबाइल छीन कर फरार हो गये। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पूजा कालोनी में अब्दुल करीम रहते है। उन्होंने बताया कि वह दिल्ली स्थित एक निजी बैंक में नौकरी करते है। 22 मई रात करीब दस बजे वह ऑटो से अपने घर जा रहे थे। जब ऑटो खन्ना नगर कालोनी में रेस्टोरेंट के सामने पहुंचा तो मोबाइल पर भाई की कॉल आई। भाई से बात करने के बाद मोबाइल उनके हाथ में था। तभी सफेद रंग की बाइक पर आये दो बदमाशों ने उनके हाथ से मोबाइल छीन कर फरार हो गये। ऑटो चालक ने बदमाशों को पीछा किया लेकिन तब तक दोनों आखों से ओझल गये। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से कर कार्रवाई की मांग की। सीओ अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि पीड़कत ने मामले की शिकायत आनलाइन की थी। पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

ट्रैक्टर को बचाने के चक्कर में सवारी से भरा विक्रम पलटा 6 लोग गंभीर रूप से घायल

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

अफजलगढ़ कालागढ़ मार्ग पर राजू पेट्रोल पंप के समीप एक विक्रम सवार सामने से आ रहे ट्रैक्टर को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पलट गया ।जिसमें ड्राइवर सहित 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए ।सभी को सीएचसी अफजलगढ़ पर भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो लोगों को गंभीर अवस्था के चलते हायर सेंटर रेफर किया गया।

बुधवार को अफजलगढ़ से कालागढ़ सवारी भर कर जा रहा विक्रम जैसे ही ग्राम अगवानपुर पेट्रोल पंप के समीप पहुंचा तो सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर को बचाने के चक्कर में विक्रम सड़क के किनारे पलट गया। जिसमें चालक सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

विक्रम चालक ग्राम चौहाडवाला निवासी बताया जा रहा है। उसमें बेठी कमलेश देवी पत्नी करतार सिंह निवासी चौहडवाला भूमि पुत्री वेद प्रकाश निवासी सुआ वाला निक्की देवी निवासी ग्राम तुरतपुर प्रदीप सिंह व कमल सिंह पुत्रगण मदन सिंह निवासी ग्राम चोहडवाला गंभीर रूप से घायल हो गए ।सभी को अफजलगढ़ भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद निकी देवी निवासी तुरतपुर व प्रदीप पुत्र मदन सिंह निवासी ग्राम चोहड वाला को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

वही मिली सूत्रों से जानकारी के अनुसार प्रदीप की मृत्यु हो गई है। वहीं पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश सिंह सोलंकी ने बताया कि अभी कोई तहरीर नहीं आई है तहरीर मिलते ही कार्रवाई की जाएगी।

महिला से छेड़छाड़ कर दुष्कर्म का प्रयास किया

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

विजयनगर थानाक्षेत्र में दुकान से घर लौट रही महिला के साथ दूसरे समुदाय के व्यक्ति ने छेड़छाड़ करते हुए दुष्कर्म का प्रयास किया।

महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। विजयनगर थानाक्षेत्र में सम्राट चौक के पास स्थित कॉलोनी में रहने वाली महिला का कहना है कि तीन मई वह दुकान पर गई थीं। सुबह करीब 11 बजे वह दुकान से घर लौट रही थीं।

आरोप है कि राश्ते में जमील नाम का व्यक्ति मिला। उसने उन्हों रोककर छेड़छाड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज की और जोर-आजमाइश करते हुए गलत काम करने का प्रयास किया। जैसे-तैसे आरोपी के चंगुल से छूटकर पीड़िता घर पहुंची और घरवालों को घटना के बारे में बताया। इसके बाद परिजन महिला को लेकर विजयनगर थाने पहुंचे और शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई।

एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि महिला की शिकायत के आधार पर चार जून को आरोपी जमील के खिलाफ छेड़छाड़ तथा अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ आगामी कार्रवाई की जा रही है।

ट्रक चालक की डंडे से पीट-पीटकर हत्या

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

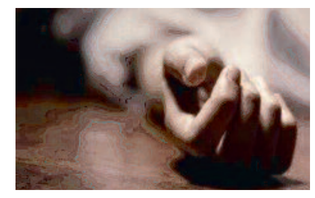

इंदिरापुरम थानाक्षेत्र में ट्रक चालक की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वसुंधरा सेक्टर 13 में बुधवार सुबह झुग्गियों के पास शव मिला था। पुलिस ने पड़ोस में चाय की ठेली लगाने वाले को हिरासत में ले लिया है।

मध्य प्रदेश के पन्ना में गुन्नौर के मूलनिवासी 30 वर्षीय गेंदालाल पटेल उर्फ अमित उर्फ चवन्नी वसुंधरा सेक्टर 13 स्थित झुग्गियों में रहता था। वह ट्रक चलाता था। उसकी पत्नी तीन साल से अलग रह रही है। बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे गेंदालाल का शव झुग्गियों के पास मिला। पुलिस के मुताबिक, शरीर पर खरोंच के निशान थे। पोस्टमार्टम में पीट-पीटकर हत्या की बात सामने आई तो जांच शुरू की।

पैर समेत शरीर में दो जगह पर फ्रेक्चर की भी पुष्टि हुई है। पूछताछ में पता चला कि मंगलवार रात साढ़े 10 बजे गेंदालाल का झुग्गियों के पास चाय की ठेली लगाने वाले रंजीत से झगड़ा हुआ था। गेंदालाल शराब के नशे में था और सामान को लेकर हुए विवाद में गाली-गलौज करने पर रंजीत ने मारपीट की थी। रंजीत ने गेंदालाल को डंडे से बुरी तरह पीटा और उसके बेहोश होने पर घर चला गया। सुबह गेंदालाल का शव मिला। रंजिशन हत्या की बात सामने आई पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि गेंदालाल से पूर्व में भी रंजीत का सामान खरीदने को लेकर विवाद हो चुका है। शराब के नशे में उसने पहले भी गाली-गलौज की थी।

बीतरात रंजीत ने गाली-गलौज करने और पुरानी रंजिश के चलते गेंदालाल से मारपीट की। इस दौरान डंडे से पीटने के चलते लगी चोट से गेंदालाल की मौत हो गई। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव का कहना है कि परिजन गुरुवार शाम को मध्य प्रदेश से आए।

उनकी शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरोपी रंजीत को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, बयान और साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अस्तादे मोहतरम मौलाना मोहम्मद सईदी साहब रह. के इंतिकाल पर जामिआ रशीदिया नगीना में इज़हार-ए-रंज व ग़म और दुआ-ए-मग़फिरत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना मदरसा मज़ाहिर उलूम सहारनपुर के नाज़िम व मुतवली, जलीलुलक़द्र आलिम-ए-दीन हज़रत मौलाना मोहम्मद सईदी साहब रहमतुल्लाह अलैह के इंतिकाल पर जामिआ अरबिया रशीदिया, नगीना में गहरा रंज और ग़म ज़ाहिर किया गया और हज़रत की मग़फिरत के लिए खास दुआ का एहतिमाम किया गया।

जामिआ के मोहतमिम डॉ. मौलाना ख़लीक़ अहमद क़ासमी ने इस मौके पर कहाः 'हज़रत मौलाना मोहम्मद सईदी साहब एक अनुभवी शिक्षक, निःस्वार्थ दीन के खिदमतगार और एक बारवकार इल्मी शख्सियत थे। उनका इंतिकाल उम्मत-ए-मुस्लिम और दीनी इदारों के लिए एक बहुत बड़ा नुक़सान है।

नाज़िम-ए-तालीमात मुफ़्ती कफ़ील अहमद मज़ाहिरी ने भी ताज़ियत का इज़हार करते हुए फ़रमायाः हमें हज़रत से तिर्मिज़ी शरीफ़ पढ़ने का सौभाग्य मिला।

उनका पढ़ाने का अंदाज़ दिल को छू लेने वाला, मोहब्बत से भरपूर और इल्मी गहराई से लबरेज़ होता था। हज़रत के इंतेक़ाल से एक बहुत बड़ा खालीपन पैदा हो गया है जिसे लंबे वक़्त तक महसूस किया जाएगा।'उन्होंने आगे कहा कि हज़रत की ज़िंदगी तालिबे इल्मों और उलमा के लिए एक रौशनी का चिराग़ है।

हम अल्लाह तआला से दुआ करते हैं कि हज़रत को जन्नतुल फ़िरदौस में आला मुक़ाम अता फरमाए और उनकी इल्मी व दीनी खिदमात को क़ुबूलियत का शरफ़ बख़्शे।

मेले में टिकट एंट्री के नाम पर अवैध वसूली

मेला आयोजको ने जनता को लूटने का निकाला नया तरीका

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

कस्बे में चल रहा सालाना मेले में एंट्री के नाम पर अवैध वसूली का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों और मेले में पहुंचे लोगो का कहना है कि कुछ लोगों द्वारा जबरन 10 से 20 रुपये तक की राशि वसूली जा रही है।

जबकि प्रशासन ने किसी भी तरह की एंट्री फीस निर्धारित नहीं की है। वही मानक के अनुसार टिकट पर नही लिखा है। जी एस टी कितने पर्सेंट जिस कारण सरकार का हो रहा है लाखो का नुकसान। मेले के मुख्य द्वार पर खड़े कुछ युवकों द्वारा बिना पैसा लिये प्रवेश नहीं दियाजा रहा है।

विरोध करने पर बहस और धमकी दी जा रही है। कई परिवारों ने बताया कि वे बच्चों के साथ मेले में आए थे,। लेकिन जबरन वसूली और बदतमीज़ी के चलते उन्हें लौटना पड़ा।

सूत्रों से मिल रही है जानकारी प्रशासन से शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होती है। ये लोग हर साल इसी तरह वसूली करते हैं और कुछ नहीं होता।

प्रकृति से समन्वय स्थापित करने के लिए आवश्यक है, बड़े स्तर पर हो पौधारोपण : DM

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने आज स्थानीय इन्द्रा पार्क बिजनौर में सामाजिक वानिकी प्रभाग बिजनौर की समस्त 06 रेंजों में वृहद श्तर पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग कर एक वृक्ष माँ के नाम 2 .0 अभियान के अंतर्गत अभियान का शुभारंभ किया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम में जिसमें मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अंशिका दीक्षित, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग अभिनव राज, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती इन्दिरा सिंह, क्षेत्रीय वनाधिकारी महेश गौतम अन्य अधिकारीगण, डी०डी०पी०एस० विद्यालय सहित विभिन्न स्कूलों/कॉलेजों के छात्र-छात्राओं, अध्यापकों, एवं एन०सी०सी० कैडेट्सों एवं स्काउट गाइड, एन.जी.ओ. वनकर्मियों, गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया।

इसके अलावा इलाहाबाद में सम्पन्न महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन किये जाने पर उ०प्र० सरकार के निर्देशों में जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा जनपद श्तर पर इन्दिरा पार्क बिजनौर में एक वृक्ष माँ के नाम 2.0 अभियान के अंतर्गत पवित्र त्रिवेणी वाटिका की स्थापना की गयी जिसमें उनके द्वारा नीम, बरगद एवं पीपल के पौधे रोपित किये गये।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया पर्यावरण के कठिन चुनौतियों से जूझ रही है तथा ये चुनौती मनुष्य द्वारा ही निर्मित है और इसके समाधान का मार्ग भी मनुष्य को ही उठाना पड़ेगा।

उन्होंने आह्वान किया कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें प्रकृति के साथ एक समन्वय और संवाद स्थापित करने के लिए अभियान में "एक पेड़ मां के नाम" नाम दिया है। उन्होंने बताया कि "एक पेड़ मां के नाम" कार्यक्रम लगातार चलेगा।

उन्होंने कहा कि पौधे हमें शुद्ध हवा पानी देते है तथा पर्यावरण, जल संरक्षण के लिये भी महत्वपूर्ण है, इसलिये हम सभी को अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिये व पौधो का संरक्षण भी करना चाहिये। उन्होंने आज पर्यावरण दिवस के अवसर सभी से पौधारोपण करने का संकल्प लेने की अपील की।

उन्होंने कहा कि पौधरोपण का उद्देश्य पौध लगाना ही नहीं, बल्कि पौध से पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करना भी है। जिलाधिकारी ने तालाबों, पोखरों, नदियों तथा जलाशय के स्त्रोतों को अवैध अतिक्रमण से बचाने, उन्हें स्वच्छ, सुन्दर एवं जीवंत बनाए रखने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने को कहां।

डीएम जसजीत कौर ने किया एक वृक्ष मां के नाम -2 अभियान का शुभारंभ

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने स्थानीय इन्द्रा पार्क बिजनौर में सामाजिक वानिकी प्रभाग बिजनौर की समस्त 06 रेंजों में वृहद श्तर पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग कर एक वृक्ष माँ के नाम 2 0 अभियान के अंतर्गत अभियान का शुभारंभ किया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम में जिसमें मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अंशिका दीक्षित, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग अभिनव राज, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती इन्दिरा सिंह, क्षेत्रीय वनाधिकारी महेश गौतम अन्य अधिकारीगण, डी०डी०पी०एस० विद्यालय सहित विभिन्न स्कूलों/कॉलेजों के छात्र-छात्राओं, अध्यापकों, एवं एन०सी०सी० कैडेट्सों एवं स्काउट गाइड, एन.जी.ओ. वनकर्मियों, गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

उक्त के अतिरिक्त इलाहाबाद में सम्पन्न महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन किये जाने पर उ०प्र० सरकार के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा जनपद श्तर पर इन्दिरा पार्क बिजनौर में एक वृक्ष माँ के नाम 2.0 अभियान के अंतर्गत पवित्र त्रिवेणी वाटिका की स्थापना की गयी। जिसमें उनके द्वारा नीम, बरगद एवं पीपल के पौधे रोपित किये गये। जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर ने इस अवसर पर कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया पर्यावरण के कठिन चुनौतियों से जूझ रही है। ये चुनौती मनुष्य द्वारा ही निर्मित है और इसके समाधान का मार्ग भी मनुष्य को ही उठाना पड़ेगा।

उन्होंने आह्वान किया कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें प्रकृति के साथ एक समन्वय और संवाद स्थापित करने के लिए अभियान में "एक पेड़ मां के नाम" नाम दिया है। उन्होंने बताया कि "एक पेड़ मां के नाम" कार्यक्रम लगातार चलेगा। उन्होंने कहा कि पौधे हमें शुद्ध हवा पानी देते है। पर्यावरण, जल संरक्षण के लिये भी महत्वपूर्ण है। इसलिये हम सभी को अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिये व पौधो का संरक्षण भी करना चाहिये।

उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण दिवस के अवसर पर हम सभी संकल्प लें। कि जो पौधारोपण किया जाय उसे संरक्षित रखते हुये पेड़ बनने तक उसकी सुरक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि पौधरोपण का उद्देश्य पौध लगाना ही नहीं, बल्कि पौध से पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करना भी है।

उन्होंने कहा कि लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करें और उन्हें अपने परिवार, गांव एवं समाज के लोगों को भी जागरूक करने वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि बिना पेड़ पौधों के जीवन संभव नही, जितने पेड़ पौधे रहे उतना ही पर्यावरण स्वच्छ होगा। तालाबों, पोखरों, नदियों तथा जलाशय के स्त्रोतों को अवैध अतिक्रमण से बचाना, उन्हें स्वच्छ, सुन्दर एवं जीवंत बनाए रखने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास जारी रखें। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक सिटी संजीव वाजपेयी,सी, एम ,एस,महिला अस्पताल डाक्टर प्रभा रानी,जिला प्रोविजन अधिकारी नेहरा पाण्डेय, सहित अनेक अधिकारी गण मोजूद रहे।

डॉ राजकुमार ने छबील लगाकर राहगीरों को शर्बत पिलाया

एनसीआर टुडे. नगीना। हर वर्ष के भांति इस वर्ष भी भीषण गर्मी से निजात दिलाने के लिए अंबेडकर नगर मार्केट डेंटल डॉक्टर व कारोबारियों ने गुरुवार को नगर पालिका के तिराहे पर छबील लगाकर राहगीरों को शीतल शर्बत पिलाकर पुण्य कमाया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में आर्यन क्लिनिक से डॉ राजकुमार सैनी, कुलदीप सैनी, गर्वित मल्होत्रा दलीप मल्होत्राअमित बाला जी, प्रदीप टीटू, सचिन, कपिल सैनी, संजय कुमार उर्फ बालाजी, मुनीम, जाहिद भाई, भगवत, राव, भगवत आदि आस पास के दुकानदार मौजूद रहे।

किसान सेवा सहकारी समिति कासमपुरगढी किसानों ने दिया धरना

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

भारतीय किसान यूनियन टिकैत के ब्लॉक अध्यक्ष मदन सिंह राणा के

नेतृत्व में किसानों ने किसान सहकारी समिति का कासमपुरगढ़ी अफजलगढ़ में विरोध प्रदर्शन करते हुए समिति के एमडी से किसानों के ऋण पर ब्याज तीन परसेंट से बढ़कर 7% करने को लेकर एक ज्ञापन सोपा।

बृहस्पतिवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत के ब्लॉक अध्यक्ष मदन सिंह राणा के नेतृत्व में किसानों का एक दल कासमपुर गढ़ी समिति अफजलगढ़ पर पहुंचकर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन सोपा ।ब्लॉक अध्यक्ष मदन सिंह राणा ने बताया कि किसानों के ऋण पर जो किसानों से 3% ब्याज लिया जा रहा था।

समिति द्वारा 7% किए जाने का विरोध करते हुए 3% करने की मांग की है ।वहीं किसानों ने बताया कि किसानों को जमीनों को बंधक बनाया जा रहा है। जो कि सरासर गलत है समिति द्वारा लाभांश किसानों को देने की मांग की है। किसानों का कहना है कि किसान दिन प्रतिदिन कर्ज के नीचे दबता चला जा रहा है। उपर से समिति ने ऋण पर ब्याज 3% से बढ़कर 7% कर दिया है जिसका किसानों में विरोध है।

किसानों ने एमडी लवेश कुमार से ब्याज पर ऋण पर ब्याज 7% की बजाय पुराने 3% पर करने की मांग की है। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष मदन राणा सिंह के अलावा दीपक सिरोही राणा सिंह सैनी चिरंजी लाल देवेंद्र कौशिक उमेश शेखावत हरि सिंह वसीम गुर्जर आदि किसान मौजूद रहे।

वही समिति के एमडी लवेश कुमार चौहान का कहना है कि शासन की गाइडलाइन का पालन किया जाएगा। जैसा उच्च अधिकारियों का आदेश होगा उसका पालन किया जाएगा।

लोजपा की बिजनौर कार्यकारिणी ने पर्यावरण दिवस पर पीपल के पौधे लगाकर दिया संदेश

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लोजपा के जिला महामंत्री हरीराज सिंह के प्रतिष्ठान पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया और नगर में पार्टी पदाधिकारियों ने पौधरोपण किया।

इस अवसर पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जिलाध्यक्ष रामनाथ सिंह ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग की बढ़ती समस्या के कारण मौसम चक्र बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, जिसे केवल वृक्ष ही नियंत्रित कर सकते हैं। इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण को बचाएं। डॉ. निर्वेश त्यागी ने कहा वृक्ष हमारे जीवन के लिए उपयोगी होते हैं 1 इनसे पर्यावरण भी संतुलित रहता है।

जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि आज जब हम पर्यावरण दिवस मना रहे हैं, तो हमें यह सोचना होगा कि हम प्रकृति से क्या ले रहे हैं और उसे बदले में क्या दे रहे हैं। पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक ज़िम्मेदारी है।

इस दौरान वृक्षारोपण कर पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर रामनाथ सिंह, हरि सिंह,डॉ. निर्वेश त्यागी, वीरेंद्र प्रताप सिंह, हरिराज सिंह, अर्जुन सिंह, वसीम अहमद, राजेंद्र सिंह, सुखवीर सिंह, दीपक चौहान, फिरोज ठेकेदार और अभिषेक कुमार आदि ने झालू रोड पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया।

जामिआ के असातिज़ा, तलबा और मुताल्लिक़ीन ने इस मौके पर शिरकत की और हज़रत के दर्जात की बुलंदी के लिए दुआ की

एनसीआर टुडे. नगीना। नगर में ईदुल अजहा (बकरा ईद) की नमाज़ के टाइम का ऐलान कर दिया गया। बढ़ापुर नगीना मार्ग पर स्थित ईदगाह पर ईदुल फितर की नमाज़ सुबह 7:00 बजे मौलाना डॉ ख़लीक अहमद कासमी अदा करायेंगे।

नगर की ऐतिहासिक जामा मस्जिद में ईदुल अजहा की नमाज़ सुबह 7:30 बजे मुफ़्ती मुहम्मद उवैस अकरम अदा करायेंगे। अकबराबाद नगीना मार्ग पर स्थित मस्जिद फ़ारूक़ी में ईद की नमाज़ सुबह 6:00 बजे मुफ़्ती फ़हीम अदा करायेंगे।मुहल्ला पंजबियान स्थित मस्जिद दौलत शाह वाली में ईदुल अजहा की नमाज़ सुबह 7:35 बजे पर मौलाना उमेर अदा करायेंगे। मुहल्ला बिश्नोई सराय स्थित मस्जिद खजूर वाली में ईदुल अजहा की नमाज़ सुबह 7:45 बजे मौलाना इस्लामुदीन अदा करायेंगे। मुहल्ला क़ाज़ी सराय स्थित मस्जिद पत्थर वाली में ईदुल अजहा की नमाज़ सुबह 7:45 बजे मुफ़्ती उबैदुल्लाह अयाज़ अदा करायेंगे।मुहल्ला शाहजहीर स्थित मस्जिद घास मंडी में ईदुल अजहा की नमाज सुबह 6:00 बजे मौलाना निसार अहमद अदा कराएंगे।

संपादकीय

आतंकवाद के वित्तपोषण पर रोक जरूरी

आतंकवाद को आश्रय देने वाले देश पाकिस्तान की असलियत को उजागर करने के लिए भारत ने बहुत बड़े रणनीतिक श्तर पर कार्य किया है। एक तरफ जहां पाकिस्तान केवल तीन ऐसे मुस्लिम देशों का समर्थन प्राप्त करने में सफल रहा है, जो उसे पहले से ही समर्थन कर रहे थे। वहीं भारत ने इससे आगे बढ़कर वैश्विक समुदाय के समक्ष पाकिस्तान को आतंकियों को संरक्षण देने वाला देश बताने में कोई संकोच नहीं किया। भारत ने विश्व के तमाम देशों में अपने प्रतिनिधि मंडल भेजकर भारत का पक्ष रखकर यह बताने का प्रयास किया है कि आतंकी हमला पाकिस्तान की ओर से किया गया।

इसके विपरीत भारत की ओर से केवल जवाबी कार्यवाही ही की गई है, जिसका भारत को पूरा अधिकार है। भारत के प्रतिनिधि मंडलों की ओर से इस सच को दुनिया को बताने का प्रयास किया जा रहा है कि भारत की ओर से पाकिस्तान पर हमला नहीं किया गया, बल्कि आतंकवाद पर प्रहार किया गया। इसी बात पर भारत को विश्व समुदाय का समर्थन भी मिल रहा है। सबसे ख़ास बात यह है पाकिस्तान में जहां अपनी ही सरकार विपक्ष के निशाने पर है, वहीं भारत सरकार ने अपनी कूटनीतिक चाल चलते हुए इन प्रतिनिधि मण्डलों में सत्ता पक्ष के नेताओं के साथ ही विपक्ष के कई प्रभावी नेताओं को शामिल किया है।

यही नेता विश्व के देशों में भारत का पक्ष मजबूती से रख रहे हैं। इससे स्वाभाविक रूप से विश्व बिरादरी से पाकिस्तान पर अलग थलग होने का गंभीर खतरा भी उत्पन्न हो गया है। यह बात सही है कि पाकिस्तान में आश्रय और संरक्षण प्राप्त करने वाले आतंकी आकाओं को आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए वित्त पोषण प्राप्त होता रहा है।

इसका आशय स्पष्ट है कि पाकिस्तान आतंक को समाप्त करने के लिए तैयार नहीं है। क्योंकि आतंकवादियों को जब तक वित्त पोषित किया जाता रहेगा, तब तक पाकिस्तान की ओर से आतंक फैलाने वालों पर अंकुश लगाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सबसे पहले उसके वित्त पोषण पर रोक लगाना बहुत जरूरी है।

यहां यह कहना बहुत आवश्यक है कि पाकिस्तान गिड़गिड़ाकर समर्थन पाने का प्रयास कर रहा है, वहीं भारत की ओर से पाकिस्तान को अलग थलग करने का ठोस प्रयास भी किया जा रहा है। जिसमें भारत का बहुत हद तक सफलता भी मिल रही है। आज के समय में पाकिस्तान इस बात को नकारने का साहस नहीं कर सकता कि उसके देश में आतंकवादी संगठन सक्रिय नहीं हैं। क्योंकि यह तथ्य विश्व के सामने उजागर हो चुका है।

आज भी पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा, लश्कर ए ओमर, जैश ए मोहम्मद, हरकतुल मुजाहिदीन, सिपाह ए सहाबा, हिज्बुल मुजाहिदीन आदि पाकिस्तान में रहकर अपनी आतंकी गतिविधियाँ चलाते हैं। कई मामलों में आईएसआई से इन्हें सक्रिय प्रशिक्षण एवं अन्य सहयोग भी मिलते हैं। इतना ही नहीं कई बार सेना और सरकार का भी खुला संरक्षण भी इनको मिलता रहा है।

पाकिस्तान सरकार की मानें तो उसके यहां 20 से अधिक आतंकी संगठन सक्रिय हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस संख्या को 150 से अधिक तक बताता है। वहीं, अमेरिकी स्टेट डिमार्टमेंट के मुताबिक यह संख्या 70 से अधिक है। वैश्विक समुदाय के दबाव में पाकिस्तान कई बार आतंकी समूहों के विरोध में कार्यवाही करने की बात करता है, लेकिन वहीं दूसरी ओर सेना और राज्य सरकारों की ओर से आतंकी संगठनों को खाद पानी प्राप्त होता रहता है। इससे पता चलता है कि पाकिश्तान में आतंकवाद की जड़ें बहुत ही गहरी हैं।

वैश्विक समुदाय को पाकिश्तान की वाश्तविकता बताने के लिए भारत की ओर से ठोस रणनीति बनाकर कार्यवाही को अंजाम दिया जा रहा है। जहां पाकिश्तान सरकार को अपने ही देश के विपक्षी दलों के कोप का सामना करना पड़ रहा है, वहीं भारत सरकार के साथ विपक्ष के सांसदों ने पाकिश्तान की पोल खोलने के लिए सामूहिक वैश्विक अभियान चलाया है। इससे पाकिश्तान को यह डर सता रहा है कि कहीं पाकिश्तान एक बार फिर से ग्रे सूची में नहीं आ जाए।

ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि पाकिश्तान की तसवीर यही चित्र प्रदर्शित कर रही है। आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहे पाकिश्तान में अब इतना साहस नहीं है कि वह विश्व के आर्थिक प्रतिबंधों को झेल सके। इसमें पाकिश्तान में आतंरिक विरोधाभास आग में घी डालने का कार्य कर रहा है। ब्लूचिश्तान में पाकिश्तान से अलग होने के लिए चल रहे आंदोलन में और तेजी आई है। इतना ही नहीं बीएलए ने तो कई कदम आगे बढ़कर अपने आपको स्वतंत्र देश घोषित कर दिया है। ब्लूचिश्तान का यह कदम पाकिश्तान को बहुत कमजोर करने वाला है।

पाकिश्तान के बारे में यह आम धारणा निर्मित हो चुकी है कि वह आतंकवाद को बढ़ावा देता है। इसके अलावा यहां पर आतंकवादी संगठनों को वित्त पोषित भी किया जाता है। विश्व के कई देश आतंकवाद को समाप्त करने के लिए आवाज उठा रहे हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब तक आतंकवाद को वित्त पोषित किया जाता रहेगा, तब तक उसे समाप्त करना कठिन है। इसलिए सबसे पहले आतंकवादी संगठनों के वित्त पोषण पर लगाम लगाने की आवश्यकता है।

बर्बाद बांग्लादेश बन रहा एक नई मुसीबत

राजेश कुमार पासी

भारत का ये दुर्भाग्य है कि वो ऐसे देशों से घिरा हुआ है जो आर्थिक और राजनीतिक रूप से बर्बादी की ओर जा रहे हैं। पाकिस्तान तो अपनी पैदाइश से ही भारत का दुश्मन देश रहा है या यूं कहो कि उसकी पैदाइश ही भारत विरोध में हुई थी और वो उसी राह चल रहा है।

पाकिस्तान तो ऐसा देश है जो हर हाल में भारत की तबाही चाहता है फिर चाहे इस चक्कर में वो खुद ही क्यों न बर्बाद हो जाये। श्रीलंका अपनी आर्थिक नीतियों के कारण बर्बाद हो चुका है लेकिन भारत की मदद से किसी तरह चल रहा है। नेपाल की आर्थिक हालत शुरू से खराब है और अफगानिस्तान तो पूरी दुनिया के लिए सिरदर्द रहा है। पाकिस्तान से टूटकर बने बांग्लादेश से भारत के हमेशा मधुर सम्बन्ध रहे हैं, विशेष तौर पर अवामी लीग अध्यक्ष शेख हसीना के शासन काल में ये संबंध बहुत अच्छे रहे हैं। इसके बावजूद यह भी सच है कि बीएनपी की नेता खालिदा जिया के शासन में भी एक संतुलन कायम रहा है।

शेख मुजीबुर्रहमान ने भारत की मदद से बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजाद करवाया था, इसलिए उन्हें बांग्लादेश का राष्ट्रपिता भी कहा जाता है। शायद यही कारण है कि उनकी पुत्री शेख हसीना के शासनकाल में भारत के बांग्लादेश से अच्छे सम्बन्ध रहे हैं। शेख हसीना ने भारत से सम्बन्धों का भरपूर लाभ उठाया और बांग्लादेश को विकास के रास्ते पर ले गई।

एक ऐसा भी समय आया जब बांग्लादेश प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत से आगे निकल गया। उन्होंने बांग्लादेश को पाकिस्तान से बेहतर देश बनाने की कोशिश की लेकिन मोहम्मद युनुस ने चीन और अमेरिका की मदद से उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया। तब से बांग्लादेश से भारत के लिए अच्छी खबर नहीं आ रही हैं। एक ऐसा देश जो भारत के लिए ज्यादा समस्या नहीं था, वो देश धीरे-धीरे भारत के लिए समस्या बनता जा रहा है।

युनुस के शासन में बांग्लादेश अराजकता की ओर जा रहा है और अब वहां सत्ता के लिए संघर्ष शुरू हो गया है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की राजनीतिक पार्टी अवामी लीग का पंजीकरण रद्द कर दिया गया है और उनके पिता शेख मुजीबुर्रहमान की यादों को मिटाया जा रहा है। शेख मुजीबुर रहमान को राष्ट्रपिता की जगह एक खलनायक बनाया जा रहा है जैसे उन्होंने पाकिस्तान से अलग देश बनाकर कोई गलती कर दी हो।

मोहम्मद युनुस की सरकार दस महीने से शासन कर रही है लेकिन हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में योगदान को लेकर नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाले मोहम्मद यूनुस के शासन में बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था लगातार गर्त में जा रही है। वास्तव में अर्थव्यवस्था के लिये कानून व्यवस्था बेहतर होनी चाहिए लेकिन युनुस तो देश को अराजकता की ओर ले जा रहे हैं।

वो एक तरफ लोकतांत्रिक संस्थाओं को खत्म कर रहे हैं तो दूसरी तरफ कट्टरपंथी ताकतों को हवा दे रहे हैं। उनके शासन ही बांग्लादेश के कट्टरपंथी बांग्लादेशी हिंदुओं का उत्पीड़न कर रहे हैं। युनुस चीन, अमेरिका और पाकिस्तान के हाथों में खेल रहे हैं और बांग्लादेश को लगातार भारत से दूर ले जा रहे हैं। पहले ही चीन के कर्ज में डूबे बांग्लादेश को धीरे-धीरे पूरी तरह से चीनी कर्ज के जाल में फंसाते जा रहे हैं।

बांग्लादेश में मुद्रास्फीति लगातार ऊपर जा रही है। विदेशी मुद्रा भंडार नीचे की ओर जा रहा है क्योंकि देश के निर्यात लगातार कम हो रहे हैं। देश की बिगड़ती अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए मोहम्मद यूनुस को सिर्फ चीन से कर्ज लेना ही एकमात्र रास्ता दिखाई दे रहा है लेकिन यही भारत की बड़ी समस्या बन सकता है। पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी चीन का गुलाम बन सकता है और इसका इस्तेमाल चीन भारत के खिलाफ रणनीतिक फायदे के लिए कर सकता है।

बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी का पंजीकरण बहाल कर दिया है। ये संगठन ही हिंदुओं के उत्पीड़न के पीछे है, पाकिस्तान समर्थक और भारत विरोधी सोच रखता है। इस संगठन को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश विरोधी गतिविधियों के कारण प्रतिबंधित कर दिया था। ये संगठन बांग्लादेश के पाकिस्तान से अलग होने का गलत मानता है और कहा जाता है कि इसने बांग्लादेश निर्माण के समय पाकिस्तान का साथ दिया था। मोहम्मद यूनुस ने इस संगठन के ऊपर से प्रतिबंध हटा दिया था

और इसका पंजीकरण बहाल होने के पीछे भी इसी सरकार का समर्थन है। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने शेख हसीना पर पिछले साल हुई हिंसा के लिए मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है जिससे भारत के लिए भी समस्या खड़ी हो सकती है क्योंकि शेख हसीना को बांग्लादेश भेजने की मांग जोर पकड़ सकती है।

जिस पाकिस्तान ने लाखों बांग्लादेशियों की हत्या की थी, आज युनुस सरकार उसी पाकिस्तान से दोश्ती बढ़ा रही है। कितनी अजीब बात है कि बांग्लादेश को आज पाकिस्तान दोश्त नजर आ रहा है और उसे बचाने वाला भारत दुश्मन दिखाई दे रहा है।

खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी ने पिछले हफ्ते ढाका में एक विशाल रैली का आयोजन किया और दिसम्बर तक चुनाव कराने की मांग की तो दूसरी तरफ सेना भी चाहती है कि बांग्लादेश में दिसम्बर तक चुनाव हो जायें। अगर चुनाव हो जाते हैं तो अवामी लीग की अनुपस्थिति में बीएनपी के सत्ता में आने की उम्मीद है लेकिन समस्या यह है कि मोहम्मद युनुस अभी चुनाव नहीं कराना चाहते हैं। उन्हें पता है कि अगर चुनाव हुए तो उन्हें सत्ता से बाहर होना पड़ेगा। उनका लोकतंत्र विरोधी चेहरा सामने आ गया है।

उनके मासूम चेहरे के पीछे बैठा तानाशाह अब दिखाई देने लगा है। जमात-ए-इस्लामी और छात्र संगठन मोहम्मद युनुस का साथ दे रहे हैं कि वो चुनाव न करवायें। मोहम्मद युनुस को पाकिस्तान, चीन और अमेरिका के साथ-साथ देश में बैठे कट्टरपंथियों का पूरा समर्थन है क्योंकि युनुस के समर्थन से सभी अपना खेल खेल रहे हैं। पाकिस्तान के एक आतंकवादी नेता ने दावा किया है कि शेख हसीना को हटाने के पीछे उनका भी हाथ है।

चीन और आतंकवादियों के समर्थन से सत्ता में आये युनुस भारत के खिलाफ चीन के साथ समझौते कर रहे हैं, हालांकि सेना ने इसमें टांग अड़ा दी है कि ऐसे फैसले लेने का अधिकार उनके पास नहीं है। ऐसे फैसले लेने के लिए निर्वाचित सरकार का इंतजार करना चाहिए। सेना को लगता है कि युनुस बांग्लादेश की सम्प्रभुता के साथ समझौता करके चीन से हाथ मिला रहे हैं। सेना यह भी नहीं चाहती कि बांग्लादेश पूरी तरह से भारत से कटकर चीन की गोद में चला जाए।

भारत के लिए संवेदनशील चिकन नेक के पास लालमोनिरहट में चीन एयरबेस बनाने जा रहा है, जो कि भारत के लिए बेहद गंभीर मामला है। चिकन नेक से लगभग 20 किलोमीटर दूर चीन का अड्डा होना भारत के लिये खतरे की घंटी है। बांग्लादेश के साथ सीमा पर तनाव बढ़ता जा रहा है क्योंकि अभी भी बांग्लादेश से घुसपैठ जारी है। दूसरी तरफ भारत गैरकानूनी रूप से भारत में घुसे बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को वापिस भेज रहा है। इससे भी बांग्लादेश नाराज दिखाई दे रहा है। इन हालातों में भारत चाहता है कि बेशक शेख हसीना की सत्ता में वापसी नहीं हो सकती लेकिन बांग्लादेश में कोई निर्वाचित सरकार आ जाए ताकि उससे बातचीत हो सके। भारत चाहता है कि किसी भी प्रकार मोहम्मद युनुस की घर वापसी हो जाये। ये व्यक्ति जब तक रहेगा, तब तक भारत का बांग्लादेश से संवाद नहीं हो सकता। ये व्यक्ति बिना किसी जिम्मेदारी के देश की सत्ता पर बैठा हुआ है और तानाशाह बनने की कोशिश कर रहा है।

मोहम्मद युनुस जब तक सत्ता में रहेगा, तब तक बांग्लादेश में हालात नहीं सुधर सकते। अगर जल्दी ही युनुस सत्ता से नहीं हटता है तो बांग्लादेश के हालात इतने खराब हो सकते हैं कि जिन्हें दोबारा ठीक करना संभव न हो सके। भारत अपने पड़ोस में एक और पाकिश्तान नहीं देखना चाहता लेकिन परिस्थितियां धीरे-धीरे वहीं जा रही हैं। बांग्लादेश के आर्थिक हालात बिगड़ने पर भारत में घुसपैठ बढ़ सकती है जिससे पहले ही भारत परेशान है।

4000 किलोमीटर की बांग्लादेश सीमा से घुसपैठ को पूरी तरह से रोकना संभव नहीं है क्योंकि वहां का भूगोल कुछ ऐसा है और दूसरी तरफ पूरी तरह से अभी सीमा पर बाड़बंदी भी नहीं की गई है। बांग्लादेश में कट्टरपंथियों की बढ़ती ताकत से भारत इसलिए भी परेशान है क्योंकि ये लोग बंगलादेशी हिन्दुओं के लिए बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं।

भारत के लिए उम्मीद की किरण एकमात्र यही है कि आज भी बांग्लादेश की बड़ी आबादी भारत के महत्व को समझती है। वो जानती है कि बिना भारत के सहयोग के बांग्लादेश को काफी समस्याओं को सामना करना पड़ सकता है। दूसरी बात यह भी है कि बांग्लादेश निर्माण के समय पाकिश्तानी सेना द्वारा किए गए अत्याचारों को पूरी जनता तो भूल नहीं गई होगी। बेशक वो लोग चुप हैं जो जानते हैं कि उनका देश गलत राश्ते पर जा रहा है लेकिन वो चुप्पी चुनावों में टूट सकती है।

बांग्लादेशी कभी नहीं चाहेंगे कि उनका देश दूसरा पाकिस्तान बन जाये। सवाल यह भी है कि क्या भारत चुपचाप सब देख रहा है। ऐसा नहीं हो सकता कि भारत सरकार हाथ पर हाथ धरकर बैठी हुई हो। भारत सरकार भी बांग्लादेश के महत्व को जानती है इसलिए जो किया जा सकता है, वो किया जा रहा होगा।

खतरनाक रूप लेता रूस-यूक्रेन युद्ध

संजय सिन्हा

युद्ध पर विराम लगता नहीं दिख रहा। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले तीन वर्षों से चल रहा युद्ध एक नई और खतरनाक करवट ले चुका है। इश्तांबुल वार्ता के कुछ ही घंटों बाद यूक्रेन ने अब रूसी कब्ज़े वाले इलाकों में गहरे और सामरिक रूप से संवेदनशील ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है।

चंद दिन पहले रूसी एयरबेसों पर हुए भीषण ड्रोन हमले में यूक्रेन ने कम से कम 40 आधुनिक फाइटर जेट तबाह कर दिए थे जिससे रूस को बड़ा झटका लगा। अब, आगे बढ़ते हुए यूक्रेन ने ज़ापोरिझिया और खेरसॉन क्षेत्रों में बिजली ढांचों पर हमला कर दिया है जिससे 7 लाख से अधिक लोग अंधेरे में डूब गए हैं।

रूसी अधिकारियों के मुताबिक यूक्रेनी ड्रोन और तोपों के जरिए किए गए हमलों में ज़ापोरिझिया और खेरसॉन क्षेत्रों के बिजली सबस्टेशनों को भारी नुकसान पहुंचा है। इस हमले के बाद कम से कम 700,000 लोग अंधेरे में जीने को मजबूर हैं जिससे अस्पताल, जलापूर्ति और मोबाइल नेटवर्क जैसी जरूरी सेवाएं भी बाधित हो गईं।

इन हमलों का सबसे गंभीर असर ज़ापोरिझिया परमाणु संयंत्र पर पड़ा है। यह यूरोप का सबसे बड़ा न्यूक्लियर पावर प्लांट है और रूसी नियंत्रण में है। रूसी परमाणु एजेंसी रोसएटम के प्रमुख अलेक्सी लिक्हाचेव ने कहा, "स्थिति नियंत्रण में है लेकिन बेहद जटिल है।" विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि अगर संयंत्र की बाहरी बिजली सप्लाई बाधित रहती है तो कूलिंग सिस्टम फेल हो सकता है और परमाणु रिसाव जैसी गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।

इस हमले पर यूक्रेन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन पश्चिमी मीडिया के मुताबिक यह 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से रूसी कब्ज़े वाले इलाकों पर सबसे बड़ा हमला हो सकता है। गौर करने वाली बात यह है कि यह हमला तुर्की में हुई रूस-यूक्रेन वार्ता के चंद घंटों बाद ही हुआ। वार्ता में रूस ने कहा कि वह तभी युद्ध समाप्त करेगा अगर यूक्रेन नए बड़े क्षेत्र सौंपे और अपनी सेना के आकार पर सीमाएं स्वीकार करे। वहीं यूक्रेन ने इस मांग को 'औपनिवेशिक सोच से प्रेरित ज़मीनी कब्ज़ा' बताया और दो टूक कहा कि वह कूटनीति और सैन्य बल दोनों से अपनी जमीन वापस लेगा।

एक साहसिक और अप्रत्याशित हमले में यूक्रेन के सैन्य बलों ने रूसी क्षेत्र के भीतर जाकर लगातार कई हमले किए और रूस के लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों या सामरिक बमबारी बेड़े को निशाना बनाया। रूस के अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि की है लेकिन यह नहीं बताया कि कितनी क्षति पहुंची है। रूस के सामरिक बमबारी बेड़े को हुई क्षति की भरपाई संभव नहीं है क्योंकि ये 1950 के दशक के हैं और इन्हें बनाने वाली इकाइयां बहुत पहले बंद हो चुकी हैं।

यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने दावा किया कि उसने एक तिहाई बेड़े को निशाना बनाया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदोमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस को करीब 7 अरब डॉलर मूल्य का नुकसान हुआ है परंतु जिस बात ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है और जो आने वाले महीनों और वर्षों तक सैन्य योजनाकारों और सामरिक विशेषज्ञों की चर्चा का विषय रहने वाली है, वह है इस हमले का तरीका।

यूक्रेन ने यह हमला रेडियो नियंत्रित ड्रोन के माध्यम से किया। इन्हें सामान्य निर्माण सामग्री की तरह वाणिज्यिक कंटेनर ट्रकों में लादा गया और उसके बाद रूस में हवाई ठिकानों के आसपास के इलाकों में भेजा गया। एक खास समय पर इन सभी ड्रोन को उड़ाया गया और हवाई अड्डों पर खड़े विमानों को निशाना बनाया गया। यह पहला मौका नहीं है जब यूक्रेन ने नियमित वाणिज्यिक लॉजिस्टिक को हथियार के रूप में इश्तेमाल किया है। खबरें बताती हैं कि 2022 में क्राइमिया द्वीप को रूस से जोड़ने वाले केर्च पुल पर हुए हमले, जिसने कई सप्ताह तक रूस के सैन्य यातायात को बाधित किया था और जो प्रतीकात्मक रूप से बहुत प्रभावी था, उसे भी प्लास्टिक ढोने वाले एक ट्रक की आड़ में अंजाम दिया गया था।

विस्फोटकों को प्लास्टिक के ढेर में छिपाया गया था और इसे आर्मीनिया और जॉर्जिया से होते हुए क्रीमिया की ओर भेजा गया था। ऐसे ही तरीके इश्तेमाल करके करीब 120 ड्रोनों की मदद से ताजा हमला किया गया। ये ड्रोन बहुत महंगे या किसी खास गुणवत्ता के नहीं थे।

लब्बोलुआब यह कि अपेक्षाकृत छोटा और मुश्किलों से जूझ रहा देश, जिसके पास अपनी मजबूत वायु सेना तक नहीं है, उसने आधुनिक लॉजिस्टिक्स और सश्ते ड्रोन की मदद से एक महाशक्ति के सामरिक बेड़े को क्षति पहुंचा दी जो उसके परमाणु प्रतिरोधक तंत्र का हिस्सा था। ड्रोन और वैश्वीकृत दुनिया में आपसी व्यापार संपर्क के इस मेल से सुरक्षा की दृष्टि से सर्वथा नई और अप्रत्याशित चुनौती उत्पन्न हुई है। भारत में इसे खासतौर पर महसूस किया जाएगा क्योंकि हमारे कई सामरिक क्षेत्र इस लिहाज से संवेदनशील हैं। इनमें कई तो प्रमुख औद्योगिक केंद्र भी हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की के मुताबिक यूक्रेन ने इस हमले की योजना 18 महीने पहले बनाई थी। जाहिर है यूक्रेन ने रूस में भी कुछ पकड़ बना रखी है. हालांकि उन्होंने दावा किया ऐसे सभी लोगों को पहले ही वापस बुला लिया गया है परंतु इस हमले की लागत की बात करें तो समय और संसाधन के मामले में इसमें ज्यादा खर्च नहीं आया।

इस मामले में तो ये तरीके ऐसी सरकार ने आजमाए जो तीन साल से जंग में है परंतु ऐसी कोई वजह नहीं है कि छद्म युद्ध में लगे दूसरे गैर सरकारी तत्व इस तरीके को नहीं आजमाएंगे। भारत के योजनाकारों को अपनी सैन्य और अधोसंरचना संबंधी संवेदनशील स्थितियों का आकलन करते हुए ड्रोन की इस जंग जैसे हालात के लिए तैयार रहना होगा। इस तरह की जंग कतई आसान हो सकती है।

कई गैर सरकारी तत्व 100-150 ड्रोन जुटा सकते हैं और उन्हें दूर से संचालित कर सकते हैं। बिना संदेह वाले ट्रक और वाणिज्यिक वाहनों का इश्तेमाल करके इन ड्रोन को हमले की जगह तक पहुंचाया जा सकता है। भारत पर किसी बड़े हमले के परिणाम, उस लागत के अनुपात में बहुत अधिक होंगे जो उस शत्रु ने सोची होगी। तो नए दौर के खतरों से अहम अधोसंरचना की रक्षा पर पुनर्विचार करने के सिवा कोई विकल्प नहीं है। शेयरों में तेजी आ गई है। इन शेयरों में तेजी की मुख्य वजह दुनिया भर में बढ़ते जियो-पॉलिटिकल तनाव हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध ने हाल ही में फिर से भयानक रूप ले लिया है। 31 मई को रूस ने यूक्रेन पर युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया जिसमें 472 ड्रोन और 7 मिसाइल दागे गए। यूक्रेन ने दावा किया कि उसने 385 ड्रोन मार गिराए। इसके जवाब में, यूक्रेन ने 1 जून को इश्तांबुल में शांति वार्ता से ठीक एक दिन पहले रूस के सैन्य हवाई अड्डों पर बड़ा हमला किया।

यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इस सरप्राइज ड्रोन अटैक में रूस के भीतरी इलाकों में तैनात 40 से ज्यादा लड़ाकू विमान नष्ट हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसे "शानदार ऑपरेशन" बताते हुए कहा कि यह इतिहास में दर्ज होगा।

दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है, लेकिन हालिया हिंसक घटनाओं ने आशंका जताई है कि युद्ध और भी भीषण रूप ले सकता है। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी IAEA ने आरोप लगाया है कि ईरान ने परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी समृद्ध यूरेनियम का उत्पादन बढ़ा दिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के पास अब 60% शुद्धता वाला 400 किलो से ज्यादा यूरेनियम है जो हथियार-ग्रेड सामग्री के लिए जरूरी 90% शुद्धता के करीब है।

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव

इससे ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने कई दौर की वार्ता के बाद ईरान को परमाणु समझौते का नया प्रश्ताव भेजा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया पर लिखा कि "ईरान इस प्रश्ताव का जवाब अपने राष्ट्रीय हितों और जनता के अधिकारों के अनुरूप देगा।"

पाक भारत के दम को आजमाने की भूल न करें

ललित गर्ग

भारत ने पहलगाम के नृशंस एवं बर्बर आतंकी हमले का जिस पराक्रम एवं शौर्य से बदला लिया, लेकिन विडम्बना है कि उस एकदम स्पष्ट सन्देश से पाकिस्तान ने कोई सबक नहीं लिया, पाकिस्तान की ऐसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से भी अक्ल नहीं आयी। पाकिस्तान ऐसे कुत्ते की दूम है, जिसे चाहे कितना ही तरोड़ों-मरोडो वह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहने वाली है।

लेकिन इस बार भारत ने एक बड़ा सबक लिया है कि पाक के किसी भी झांसे एवं घड़ियाली आंसुओं में वह नहीं आयेगा। इसीलिये भारत हर मोर्चे पर सतर्क एवं सावधान है। भारत ने गैर-सामरिक एवं सामरिक मोर्चे पर सर्तकता दिखाते हुए तमाम समीकरण ही नहीं बदले हैं बल्कि भारत की सुरक्षा एवं आतंकवाद के खिलाफ सख्ती को तीक्ष्ण धार दी है।

अब कोई भी आतंकी हमला युद्ध की चुनौती के रूप में लिया जाएगा और उसकी कड़ी एवं विध्वंसक प्रतिक्रिया ही होगी। भारत किसी परमाणु ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा। आतंकियों और उनके समर्थकों में कोई भेद नहीं किया जाएगा। भारत आतंकवाद एवं कश्मीर के मामले में किसी भी महाशक्ति की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। भारत ने हाल की स्थितियों में जो भी निर्णय लिये स्व-विवेक से लिये, अमेरिका की इसमें कोई भूमिका नहीं रही। पाक भारत के दम को कमतर न आंके और उसे आजमाने की भूल न करें। भारत के कतिपय राजनीतिक दल एवं कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब भारत विजयी स्थिति में आगे बढ़ रहा था तब उसने शांति की पहल क्यों स्वीकार की?

भारत ने बड़ी जीत हासिल कर ली थी और उससे भी बड़ी जीत के लिये उसकी तैयारी थी तो संघर्ष विराम क्यों किया? इसका जवाब भारत के शीर्ष नेतृत्व ने एकदम सरल तरीके से दिया है कि भारत ने अपने सभी लक्ष्य हासिल किए। भारतीय सेना को छह-सात मई की रात पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट करने के बाद उसके प्रमुख एयरबेस इसलिए नष्ट करने पड़े, क्योंकि उसने अपने यहां के आतंकी अड्डों को निशाना बनाए जाने से चिढ़कर भारत पर मिसाइल और ड्रोन दागने शुरू कर दिए थे। लाहौर और सियालकोट के एयर डिफेंस ध्वस्त कर दिए गए। 11 पाकिश्तानी एयरफील्ड बुरी तरह क्षतिग्रश्त हुए। इनमें रावलपिंडी स्थित सामरिक महत्व वाला नूर खान बेस, सरगोधा में मुशाफ बेस और जैकबाबाद में शाहबाज बेस प्रमुख हैं। चूंकि भारतीय सेना की अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान बुरी तरह पश्त पड़ गया, इसलिए उसने सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई-भारत से भी और अमेरिका से भी।

लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई रोकने में कोई भूमिका नहीं थी।

भारत आपरेशन सिंदूर इस शर्त पर स्थगित करने को तैयार हुआ कि इसके आगे की कार्रवाई में पाक की जनता को ही अधिक नुकसान एवं परेशानी झेलनी थी। भारत ऐसा नहीं चाहता था कि पाक आकाओं की नासमझी का शिकार आम-जनता हो। भारत ने आतंकी ढांचे को ध्वश्त कर दिया और जब पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया तब भी भारतीय प्रतिक्रिया संयमित एवं उचित दायरे में रही।

पाक दुष्प्रचार की पोल खोलने के लिए खुद प्रधानमंत्री आदमपुर एयरबेस गए। वह जिस सी-130जे सुपर हरक्युलिस से उतरे वही पाक के दावों को झुठलाने के लिए बहुत था। पाक के झूठे दावे अनेक बार तार-तार हुए है। अब भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प व्यक्त किया है कि आतंकियों और उनके आकाओं की कोई भी हरकत के परिणाम उनकी कल्पनाओं से भी परे होंगे। भारत कभी झूकेगा नहीं, युद्ध जैसी स्थितियां अश्तित्व बचाने के लिये ही है, किसी पर आधिपत्य करने के लिये नहीं।

भारत- पाक के बीच सैन्य टकराव रुक जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह श्रेय लेने में देर नहीं लगाई कि उनके हश्तक्षेप के कारण दोनों देश हमले रोकने को राजी हुए। यह दावा झूठा ही नहीं, बल्कि बेबुनियाद था। ट्रंप ने इसे संघर्ष विराम की संज्ञा देते हुए कहा कि मैंने व्यापार का हवाला देकर दोनों देशों की लड़ाई रोकी।

इस पर भारत ने साफ कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति से व्यापार को लेकर कोई बात नहीं हुई। ट्रंप का दावा उस समय थोथा भी साबित हो गया, जब अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने उनकी इस दलील को ठुकरा दिया कि उन्होंने ट्रेड की बात करके ही भारत और पाक के बीच सैन्य टकराव थामा। न्यूयार्क स्थित इस संघीय अदालत ने उनकी टैरिफ नीति को भी अवैध बता दिया। इससे सिद्ध हो गया कि ट्रंप जो कुछ कह रहे, वह सही नहीं, राजनीतिक महत्वाकांक्षा का बेहूदा प्रदर्शन है। भारत अभी भी पाक लिये सख्त बना हुआ है, क्योंकि उसकी भूलें अक्षम्य है। भारत की पाक के खिलाफ सख्त कार्रवाइयों में मुख्य हैं सबसे प्रमुख सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, चूंकि पाक सिंचाई संबंधी आवश्यकता के लिए एक बड़ी हद तक सिंधु और उसकी सहायक नदियों के पानी पर निर्भर है, इसलिए भारत के फैसले से उसे बड़ा झटका लगना स्वाभाविक है।

पाक की कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के लिए इस फैसले के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसके साथ ही भारत ने पाक के साथ तमाम व्यापारिक रिश्ते समाप्त कर दिये हैं। जिससे पाक की अर्थ-व्यवस्था प्रभावित हो रही है। भारत की ऐसी जवाबी कार्रवाइयों से पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। लेकिन इन सबके बावजूद पाक सुधरने को तैयार नहीं है। पाक की दुनियाभर में तीव्र भर्त्सना और निन्दा हो रही है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में पाकिस्तान के पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले रेजिस्टेंस फोर्स की लानत-मलानत ही हुई, पाक की किसी भी बात को तवज्जो नहीं दी गयी, बल्कि उसे फटकार लगी। पाक का टूटना बिखरना खयाली पुलाव नहीं, बल्कि यह उसके आतंकी षडयंत्रों की नियति है।

पहलगाम की घटना स्पष्ट रूप से यह एक सोची-समझी आतंकी साजिश थी। इसका मकसद सांप्रदायिक तनाव को भड़काना और कश्मीर में फल-फूल रहे पर्यटन को नुकसान पहुंचाना था। वहां शांतिपूर्ण चुनाव होने एवं चुनी हुई सरकार का सफलतापूर्वक चलना भी पाक के लिये नागवार गुजर रहा था।

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अथक प्रयासों से आ रही शांति एवं समृद्धि के दम पर हालात सामान्य होते जा रहे थे। उसे पाक आका एवं आतंकी छिन्न-भिन्न करना चाहते थे। पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 25 मई को स्काई न्यूज पर साक्षात्कार में आतंकी ढांचे से जुड़े सवाल के जवाब में कहा, 'हम तीन दशकों से आतंक को पालना-पोसने का गंदा काम अमेरिका और ब्रिटेन के लिए करते आए हैं।'

पाकिश्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भी आतंकी ढांचे के अशितत्व को स्वीकार करते हुए कहा कि पाकिश्तान का एक अतीत रहा है। जबकि वाश्तविकता यही है कि आतंक पाक का अतीत ही नहीं, बल्कि वर्तमान भी है।

यह उसकी मौजूदा नीति है, इसी के तहत पाक समय-समय पर भारत की शांति को क्षत-विक्षत करने की कुचेष्ठा करता रहा है। अपनी कार्रवाई में भारत ने नागरिक या सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन आतंकी ढांचे पर सटीक एवं प्रभावी प्रहार किया। अपनी विश्वसनीयता के लिए भारत ने साक्ष्य भी प्रश्तुत किए कि यह कोई खुफिया अभियान न होकर एकदम खुली चेतावनी थी। भारत अब भी अपनी बात पर कायम है कि अगर पाक शांति चाहता है, पडोसी धर्म को निभाना चाहता है तो पहले उसे अपने यहां आतंकी ढांचा समाप्त करना होगा। आतंक के साथ न वार्ता हो सकती है और न व्यापार। पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकते। भारत का रुख एकदम स्पष्ट है और अब पाक को तय करना है कि वह क्या चाहता है। भारत पाक और चीन की कुचालों को समझता है, इसीलिये रक्षा परियोजनाओं में देरी पर भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह की चिंता और सवाल वाजिब हैं।

दोतरफा मोर्चे पर जूझ रही सेना के आधुनिकीकरण में तेजी लाने की भी जरूरत है। इसके लिए केवल विदेशी सौदों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, मेक इन इंडिया प्रॉजेक्ट के तहत भी उत्पादन बढ़ाना होगा। इन्हीं जरूरतों को देखते हुए भारत अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुटा है। लेकिन भारत युद्ध नहीं चाहता, शांति एवं अमन ही उसका लक्ष्य है। भारत ने वैसे भी 'नो फर्स्ट यूज' की नीति अपना रखी है यानी देश परमाणु हथियारों का पहले इश्तेमाल नहीं करेगा।

किसी ऐसे मुल्क के खिलाफ भी भारत एटमी वेपन नहीं निकालेगा, जिसके पास परमाणु हथियार नहीं हैं। भारत ने यह ताकत हासिल की है सुरक्षा के लिए, आक्रामकता दिखाने और आक्रमण के लिए नहीं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

दो फीट और नीचे गया गंगा का जलस्तर तो प्रभावित होगी शहर की जलापूर्ति, लगातार घट रहा जलस्तर

वाराणसी, एजेंसी। काशी में गंगा का जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है। यही हाल रहा तो आने वाले दिनों में यहां जलापूर्ति प्रभावित हो सकती है। वर्तमान में 191 फीट पर जलस्तर है। दो फीट और नीचे गंगा का जलस्तर गया तो काशी में होने वाली जलापूर्ति प्रभावित होगी।

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा का जलस्तर रविवार को 58.24 मीटर, सोमवार को 58.25 मीटर, मंगलवार को 58.22 मीटर रिकॉर्ड किया गया। रोज एक से दो सेंटीमीटर जलस्तर में कमी दर्ज की जा रही है। शहर भर में पेयजलापूर्ति भेलूपुर जलकल विभाग से की जाती है। यहां भदैनी पंप हाउस से गंगा का पानी लिफ्ट करके लाया जाता है। वर्तमान में 100 से 110 एमएलडी पानी गंगा से उठाया जा रहा है जबकि सामान्य दिनों में 125 एमएलडी पानी लिफ्ट किया जाता है। बाकी जलापूर्ति के लिए शहर के ट्यूबवेल का सहारा लिया जा रहा है। जानकारों के अनुसार गंगा के गिरते जलस्तर से कई इलाकों में पानी की किल्लत भी लोगों को उठानी पड़ेगी।

भीषण गर्मी में आने वाले दिनों में शहर की पेयजल आपूर्ति ठप होने का खतरा है। 189 फीट अलार्मिंग स्थिति मानी जाती है। 186 फीट पर जलस्तर पहुंचने पर शहर की पेयजल आपूर्ति ठप हो जाएगी। भूगर्भ जल विभाग के अनुसार बनारस जिले का भूगर्भ जलस्तर 0.10 मीटर और नीचे चला गया है। मार्च में भूगर्भ जलस्तर जहां एक मीटर था, वह अब 1.10 मीटर नीचे चला गया है।

इस समय गर्मी के चलते लगातार नीचे जा रहे पानी से हैंडपंपों की बोरिंग फेल हो रही है। शहर के कुछ क्षेत्रों के अलावा आराजीलाइन, हरहुआ ब्लॉक, पिंडरा ब्लॉक डार्क जोन में हैं। यहां बोरिंग प्रतिबंधित है। इनके अलावा बड़ागांव, चिरईगांव, चोलापुर, काशी विद्यापीठ व सेवापुरी ब्लॉक क्रिटिकल जोन में हैं। जल संरक्षण के लिए लंबे समय से कवायद चल रही है लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

यही कारण है कि साल दर साल पानी का जलस्तर नीचे जा रहा है। बारिश के बाद पानी का जलस्तर सबसे ऊपर होता है। बारिश से पहले यह जलस्तर नीचे चला जाता है। काशी कुंड और तालाबों का शहर कहा जाता है। यहां कुंड और तालाब को पाटने से वाटर रिचार्जिंग कम हुई है।

शहरी क्षेत्र में जलस्तर नीचे जाने की वजह नदी आधारित सरकारी पेयजल योजनाओं का फेल होना है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी नहरों के अभाव के कारण भूगर्भ जल से ही सिंचाई हो रही है।

शेख शाहनवाज खलील, चेयरपर्सन ताहिरा खलील समेत रक्तदान शिविर में 40 ने किया रक्तदान

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

एंटी करप्शन टीम नगीना द्वारा आयोजित स्वच्छिक रक्तदान शिविर में 40 लोगों ने रक्त दान किया। गुरुवार को मौहल्ला लाल सराय ,एच आई सी के निकट आयोजित स्वच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारंभ नगर पालिका परिषद नगीना की चेयरपर्सन ताहिरा ख़लील व चेयरमैन संघ के जिलाध्यक्ष शेख शाहनवाज एवं एंटी करप्शन टीम की स्टेट चेयरपर्सन विशाखा मित्तल ने किया शिविर में 40 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया, शिविर में रक्तदान सेवा चैरिटेबल सेंटर बिजनौर के संचालक स्पर्श भटनागर अपनी टीम के सदस्यों झलक भटनागर, आलम, आंशिक, निखिल आदि के साथ मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने एसडीएम को सोपा 6 सूत्र मांग पत्र

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकेट ने एसडीएम कोर्ट कार्यालय में पहुँचकर उपजिलाधिकारी को शिकायतनुमा एक 6 मांग सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकेट के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम कार्यालय में पहुँचकर महात्मा टिकेट जिंदाबाद के नारेबाज़ी कर कार्यालय के सामने बैठकर अपनी मांगो जिसमें पोस्ट ऑफिस हरबंशपुर धारम नगीना में मौजूद पोस्ट गर्ल को हटाए जाने, आधार कार्ड सेंटरो की संख्याओं को बड़ाए जाने, ग्रामीण क्षेत्रो में विद्युत बिल रीडरों की प्रत्येक माह सुनिश्चित की जाए, ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत सप्लाई का समय बढ़कर 20 घंटे किया जाए।

रेलवे फाटक 475 पर सिंगल ड्यूटी है वहां पर डबल ड्यूटी कर स्विफ्ट बढ़ाई जाए, कोटद्वार नगीना रोड पर चल रहे हैं रेत बजरी व अवैध खनन के ओवरलोड वाहन को अंडरलोड चलाने के आदेश करवाये जाएं तथा तीव्र गति से जाने वाले वाहनों डम्परों को सीज कर उन पर कानूनी कार्रवाई हो उधर टोल प्लाजा पर लोकल चौपहिया व आदि वाहनों को 20 किलोमीटर की दूरी के दायरे में टोल फ्री किया जाए तथा सभी टोल पर मौजूद कर्मियों के द्वारा किसानों के साथ अभद्रता करने वाले कर्मियों पर कार्रवाई हो। इस मौके पर जगबीर सिंह, जितेंद्र हुड्डा, शहजाद मालिक, कुलदीप मौर्य, कपिल चौधरी, नीरज चहल, शहजाद मलिक, बहार आलम, सिराजुद्दीन, शहजाद, अंकुश कुमार, गजेंद्र सिंह, रक्षक राजपूत, पुष्पेंद्र कुमार आदि कई दर्जनों किसान मौजूद रहे।

चेयरपर्सन ताहिरा खलील व अधिशासी अधिकारी संदीप सक्सेना ने नगर पालिका में विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधरोपण

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर नगर पालिका परिषद कार्यालय व नगर पालिका के वाटर वर्कस कंपाउंड मे पौधरोपण किया गया।

गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद नगीना व वाटर वर्कस कंपाउंड में नगर पालिका परिषद नगीना की चयरपर्सन ताहिरा ख़लील व अधिशासी अधिकारी संदीप सक्सैना द्वारा पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर पालिका ताहिरा खलील वअधिशासी अधिकारी कुमार संदीप सक्सैना धीरज राय वर्मा जे तेजपाल सिंहमोहम्मद असलम इफ्तेखार जेडी रोहित कुमार तलत अहमद तस्लीम अहमद मनोज कुमार सभासद मोहम्मद असलम सिद्दीकी सभासद गोपाल दत्त राजकुमार जॉनी सभासद तालिब सिद्दीकी शानू मलिक के अधिकारियों व कर्मचारियों सहित नगर पालिका के सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

महिला से छेड़छाड़, विरोध पर देवर से मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

वेव सिटी थानाक्षेत्र में दबंगों ने साथियों के साथ मिलकर युवक को बेरहमी से पीटा। पीड़ित के मुताबिक आरोपी उसकी भाभी से छेड़छाड़ करते हैं। उसने विरोध किया तो आरोपियों ने न सिर्फ मारपीट की, बल्कि जातिसूचक शब्दों से अपमानित भी किया। पुलिस ने दो नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

वेव सिटी थानाक्षेत्र के गांव में रहने वाले युवक का कहना है कि वह मेहनत मजदूरी करता है। 19 मई की रात करीब नौ बजे वह अपने भाई के घर जा रहा था। राश्ते में गांव के ही अंशुल गोस्वामी, ललित यादव और उनके दो अज्ञात साथियों ने उसे रोक लिया और गाली-गलौज शुरू कर दी।

इतना ही नहीं, आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों से उसे अपमानित भी किया। युवक का कहना है कि विरोध करने पर चारों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। जान बचाने के लिए भागा तो आरोपियों ने जमीन पर गिराकर लात-घूंसों और डंडों से बुरी तरह मारा और जान से मारने की धमकी दी। युवत का कहना है कि आरोपियों ने उसकी भाभी को लेकर आपत्तिजनक बातें कहीं।

गंगा दशहरा पर काशी में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

वाराणसी , एजेंसी। मां गंगा के अवतरण दिवस गंगा दशहरा के अवसर पर गुरुवार को काशी के गंगा घाटों पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा। भोर से ही दूर- दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई और फिर दान कर मां गंगा का पूजन- अर्चन किया। इसके बाद प्रमुख मंदिरों में मत्था टेकने पहुंचे।

काशी में घरेलू पीएनजी और सीएनजी के दाम घटे

वाराणसी, एजेंसी। गेल ने काशी में सीएनजी, पीएनजी की कीमत में कमी की है। नई दरें बृहस्पतिवार से प्रभावी होंगी। घरेलू पीएनजी में ढाई रुपये और सीएनजी में एक रुपये प्रति किलोग्राम की कमी की गई है। इसका फायदा एक लाख से ज्यादा कनेक्शनधारकों को मिलेगा।

गेल के उपमहाप्रबंधक प्रवीण गौतम ने बताया कि गैस आपूर्ति के लिए बुनियादी ढांचा तैयार कर लिया गया है। इनमें से 46,000 से ज्यादा घरों में गैस की आपूर्ति की जा रही है। घरेलू पीएनजी कीमत में कमी से ग्राहकों के लिए गैस और भी सस्ती हो जाएगी।

इस समय सीएनजी के 37 स्टेशन हैं। इनमें नमो घाट और रविदास घाट पर दो फ्लोटिंग सीएनजी स्टेशन भी शामिल हैं। 37,500 से ज्यादा वाहनों में सीएनजी की आपूर्ति की जा रही है। इनमें करीब 15,000 कार और 22000 ऑटो रिक्शा, लगभग 500 बस, ट्रक और सीएनजी बाइक भी शामिल हैं। गेल के अधिकारी ने बताया कि पहले पीएनजी की कीमत 52.47 रुपये प्रति एससीएम थी, जो कम होकर 49.97 हो गई है। सीएनजी की कीमत 86.67 रुपये प्रतिकिलोग्राम थी, जो अब 85.67 हो गई। वाणिज्यिक पीएनजी (जैसे रेस्तरां होटल आदि) 64.69 रुपये प्रति एससीएम से 5.40 रुपये कम होकर अब 59.29 प्रति एससीएम मिलने लगेगी।

नसबंदी के बाद मां बनी महिला को दो लाख हर्जाना व बेटी को हर्जा-खर्चा दे सरकार

प्रयागराज, एजेंसी। प्रयागराज की स्थायी लोक अदालत ने नसबंदी के बावजूद मां बनने पर सरकार पर दो लाख रुपये का हर्जाना लगाया है। साथ ही पैदा हुई बेटी के भरण-पोषण के लिए पांच हजार रुपये प्रतिमाह 18 साल की उम्र तक या स्नातक की पढ़ाई पूरी होने तक अदा करने का आदेश दिया है। वहीं, सरकार को अनचाहे गर्भ से पीड़िता को मानसिक तकलीफ के लिए 20,000 रुपये अदा करने होंगे।

यह आदेश स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष विकार अहमद अंसारी, सदस्य डॉ. ऋचा पाठक और सतेंद्र मिश्रा की पीठ ने फूलपुर निवासी महिला के परिवाद पर दिया है। मामला 2013 का है। कई बच्चों के बाद महिला ने 25 अक्तूबर को मऊआइमा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ. नीलिमा से नसबंदी कराई थी। कुछ दिनों बाद उसे परेशानी हुई तो अल्ट्रासाउंड कराया। 31 जनवरी 2014 को पता चला कि उसके पेट में 16 सप्ताह छह दिन का गर्भ है। इसके बाद उसने बेटी को जन्म दिया। आर्थिक तंगी से जूझ रही महिला के लिए यह तगड़ा झटका था। इसके खिलाफ पीड़िता ने प्रयागराज के सीएमओ को पक्षकार बनाकर स्थायी लोक अदालत का दरवाजा खटखटाया। महिला ने 11 कानूनी लड़ाई लड़ी तो फैसला आया।

महिला ने अदालत में कहा, डॉक्टर की गलती से मेरी जिंदगी फिर से उलझ गई। अब इस बच्चे का खर्च मैं क्यों उठाऊं? नसबंदी में चूक सरकार की ओर से हुई है तो बेटी का खर्च भी सरकार ही उठाए। असफल नसबंदी के लिए पांच लाख मुआवजा व बेटी के भरण-पोषण के लिए 25,000 रुपये प्रतिमाह की मांग की। सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि ऑपरेशन एक अनुभवी डॉक्टर ने किया था। महिला ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। ऑपरेशन की विफलता की सूचना तीन माह की निर्धारित अवधि में नहीं दी गई। इसलिए याची मुआवजे की हकदार नहीं है।

अदालत ने कहा...सरकारी नाकामी का बोझ महिला पर डालना ठीक नहीं- अदालत ने माना कि नसबंदी ऑपरेशन की विफलता स्पष्ट रूप से चिकित्सा लापरवाही का परिणाम है। सरकार जनसंख्या नियंत्रण के लिए नसबंदी को बढ़ावा देती है तो उसकी नाकामी का बोझ किसी महिला पर नहीं डाल सकती।

गंगा नहाते समय तीन की डूबकर मौत, मुंडन संस्कार में होने आए थे शामिल, परिजनों में मचा हड़कंप

कानपुर , एजेंसी। यहां डॉक्टरों ने तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, तीनों अपनी बहन के यहां मुंडन संस्कार में शामिल होने आए थे और गंगा में डुबकी लगाते समय डूब गए। हादसे के मृतकों में दो युवक और एक बालिक शामिल है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामला बिल्हौर थाना क्षेत्र के कल्लू पुरवा अकबरपुर सेंध घाट का बताया जा रहा है।

व्यापारी की पिटाई के बाद व्यापारी आक्रोशित हो गए और प्रदर्शन किया

गोरखपुर, एजेंसी। बक्शीपुर में बिना कोई सूचना दिए मंगलवार को बंदी के दिन अतिक्रमण हटवाने पहुंची नगर निगम की प्रवर्तन दल के साथ व्यापारियों की कहासुनी और हाथापाई हो गई। व्यापारी की पिटाई के बाद अन्य व्यापारी आक्रोशित हो गए और प्रदर्शन किया।

बुधवार की सुबह एक बार फिर व्यापारियों ने दुकानें बंद रखते हुए प्रदर्शन किया। इसके बाद पैदल मार्च कर नगर निगम पहुंचे और अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र को ज्ञापन सौंप कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, नगर निगम का प्रवर्तन दल ने मंगलवार को बंदी के दिन बक्शीपुर में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इसकी सूचना जब दुकानदारों व व्यापारियों को हुई तो वह मौके पर पहुंच गए। अभियान को गलत बताया। इसके बाद भी प्रवर्तन दल नहीं माना और आरोप है कि तिवारी ट्रेडर्स के वैभव तिवारी बंद दुकान में तोड़फोड़ करने लगे। रोकने पर लोग वैभव के साथ अभद्रता और मारपीट की गई।

इस सूचना के बाद व्यापारी आक्रोशित हो गए। इसके बाद समस्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष नितिन कुमार जायसवाल के नेतृत्व ने कोतवाली पहुंच कर प्रवर्तन दल के अधिकारियों के खिलाफ तहरीर दी और पीड़ित का मेडिकल करवाया। बुधवार सुबह नाराज व्यापारी सुबह बक्शीपुर में एकत्रित हुए और बंदी का आह्वान किया।

जिसका समस्त व्यापारिक संगठनों ने समर्थन किया। सभी संगठनों के पदाधिकारी पैदल मार्च करते हुए नगर निगम नगर आयुक्त को ज्ञापन देने पहुंचे। जहां उनकी अनुपस्थिति में अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्रा को ज्ञापन दिया और प्रवर्तन दल के अधिकारी अशोक सिंह और टीम को निष्कासित करने की मांग की। ज्ञापन देने वालों ने अध्यक्ष नितिन जायसवाल, समन्वयक अनूप किशोर अग्रवाल, पूर्वांचल उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष रमेश चंद गुप्ता, किराना कमेटी के महामंत्री गोपाल जायसवाल, दवा विक्रेता समिति के अध्यक्ष योगेंद्र दुबे, महामंत्री आलोक चौरसिया, गोरखपुर डिस्पोजेबल एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन जालान समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

क्लीनिक में ट्रांसप्लांट की मशीनें-दवाएं मिलीं, डॉ. अनुष्का दो बार गश खाकर गिरीं

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में केशवपुरम के इंपायर क्लीनिक में बुधवार को हेयर ट्रांसप्लांट से संबंधित कई मशीनें, किट, दवाएं और अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस हेयर ट्रांसप्लांट के बाद दो इंजीनियरों की मौत की आरोपी डॉ. अनुष्का को छह घंटे का कस्टडी रिमांड पर लेकर क्लीनिक पहुंची थी। यहां उससे मशीनों, मरीजों के पर्चे और दस्तावेजों के संबंध में पूछताछ हुई।

इस दौरान डॉ. अनुष्का दो बार गश खाकर गिरी। बुधवार सुबह विवेचक पुष्पराज सिंह महिला पुलिस कर्मियों के साथ जेल पहुंचे। यहां से कड़ी सुरक्षा में डॉ. अनुष्का को लेकर सुबह दस बजे कल्याणपुर के केशवपुरम स्थित इंपायर क्लीनिक आए। क्लीनिक के एंट्री गेट से लेकर भीतर तक हर बिंदु पर जांच की गई। टीम ने ओपीडी, ऑपरेशन रूम, वेटिंग एरिया चेक किया।

चेहरे पर पानी डालकर होश में लाया गया

यहां विवेचना से जुड़े कई अहम सुराग हाथ लगे। डॉ. अनुष्का तिवारी के साथ उनके दो वकील भी मौजूद रहे। पुलिस ने जब दस्तावेज और मशीनों के बारे में डॉ अनुष्का से पूछताछ की तो तीन घंटे में दो बार बेहोश हुई।

वहां मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने चेहरे पर पानी डालकर उन्हें होश में लाया। फिर पूछताछ हुई। दोपहर करीब एक बजे टीम डॉ. अनुष्का को क्लीनिक से लेकर थाने पहुंची, जहां उनके बयान दर्ज करने के बाद तीन बजे जेल में दाखिल किया।

यह मशीनें और दस्तावेज बरामद

हेयर ट्रांसप्लांट से संबंधित के पर्चे, हेयर ट्रांसप्लांट की मशीनें, 40 हजार का बिल, प्लेटलेट रिच प्लाजमा (पीआरपी) ट्यूब्स, सर्जिकल किट, निडिल्स, हेयर ट्रांसप्लांट से जुड़ी दवाएं, मरीजों के हस्ताक्षर की फाइल, दवाओं के पर्चे पर डॉक्टर के हस्ताक्षर, बिल की बुकलेट (जिसमें पुराने मरीजों का जिक्र है) बरामद किया।

कई पर्चे मिले, एक पर्ची पर हो रही चर्चा

क्लीनिक में भारी मात्रा में के पर्चे मिले, जिसमें लिखा था कि हमारे यहां हेयर ट्रांसप्लांट होता है। इसमें डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. अनुष्का तिवारी को हेयर ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट बताया गया। क्लीनिक में एक पर्ची भी मिली है, जिसमें 10 लोगों के नाम और मोबाइल नंबर हैं। इसे पुलिस ने जांच में शामिल किया है। पुलिस को आशंका है कि यह लोग भी हेयर ट्रांसप्लांट के मामले में शामिल हो सकते हैं। इसमें दो डॉक्टर के नाम भी शामिल हैं।

RCB को जिताया IPL का खिताब

अब जितेश शर्मा बने कप्तान

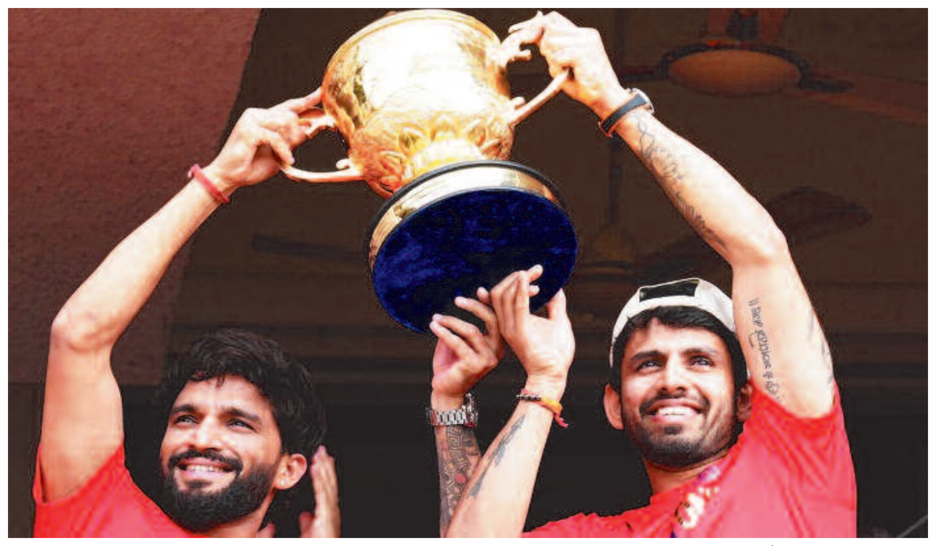

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को पहली बार खिताब जिताने वाले कई खिलाड़ियों का योगदान रहा. इसमें एक नाम जितेश शर्मा हैं. जितेश शर्मा ने आईपीएल 2025 में आरसीबी के लिए कई अहम पारियां खेली और क्वालिफायर-1 में टीम की जीत के हीरो भी रहे थे.

इतना ही नहीं, कुछ मैचों में उन्हें आरसीबी की टीम की कप्तानी करने का मौका भी मिला. अब जितेश शर्मा एक नई चुनौती के लिए तैयार हैं. वह जल्दी ही एक भारतीय लीग में खेलते हुए नजर आएंगे, जिसमें वह बतौर कप्तान खेलेंगे.

जितेश शर्मा 5 से 15 जून तक नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में आयोजित होने वाली विदर्भ प्रो टी20 लीग में नीको मास्टर ब्लास्टर टीम की कप्तानी करेंगे. इस टूर्नामेंट में छह टीमें हिस्सा ले रही हैं और कुल 18 मैच खेले जाएंगे. वहीं, नीको मास्टर ब्लास्टर की टीम में अनुभवी आर संजय को उपकप्तान बनाया गया है, जबकि युवा खिलाड़ियों जैसे आर्यन मेश्राम, आद्यान डागा और वेदांत दिघड़े भी स्क्वॉड का हिस्सा हैं. टूर्नामेंट का पहला मैच पगरिया स्ट्राइकर्स और नागपुर टाइटंस के बीच होगा. दूसरी ओर जितेश की टीम नीको मास्टर ब्लास्टर अपना पहला मुकाबला 6 जून को भारत रेंजर्स के खिलाफ खेलेगी. इस लीग में पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं की टीमें भी हिस्सा ले रही हैं, जिसमें नीको की महिला टीम की कप्तानी भारती फुलमाली करेंगी.

आईपीएल 2025 में जमकर चला बल्ला

जितेश शर्मा ने आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने 11 पारियों में 261 रन बनाए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 176.35 और औसत 37.28 रहा. इस दौरान उन्होंने 24 चौके और 17 छक्के लगाए, और आरसीबी को 18 साल बाद पहली आईपीएल ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई. क्वालिफायर-1 में तो उन्होंने नाबाद 85 रन बनाकर आरसीबी को फाइनल में पहुंचाया था. अब वह अपनी इस फॉर्म को विदर्भ प्रो टी20 लीग में भी जारी रखना चाहेंगे.

विदर्भ प्रो टी20 लीग में मास्टर ब्लास्टर की टीम

जितेश शर्मा (विकेटकीपर–कप्तान), आर संजय, आर्यन मेश्राम, अद्यान डागा, अद्यान रौथम, आकाश कोमडे, वेदांत दिघाड़े, गौरव ढोबले, अंकुश तम्मीवार, आदित्य खिलोटे, आर्य दुरुगकर, प्रथम माहेश्वरी, प्रफुल्ल हिंगे, अननमय जयसवाल, सार्थक धाबडगांवकर, सनमेश देशमुख.

बेंगलुरु भगदड़ पर विराट कोहली की पहली प्रतिक्रिया

शब्द नहीं हैं मेरे पास...

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेटर विराट कोहली ने बेंगलुरु भगदड़ पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि वे पूरी तरह टूट चुके हैं और उनके पास कोई शब्द नहीं हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर आरसीबी का एक आधिकारिक बयान भी जारी किया है जिसमें इस हादसे पर दुख जताया गया है। आरसीबी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए हमे बेंगलुरु में भीड़ की वजह से हुए हादसे की जो जानकारी मिली है, वो जान बहुत दुखी हैं। सभी की सुरक्षा ही हमारे के लिए सबसे जरूरी है। जिन भी लोगों ने इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में अपनी जान गंवाई है, हम उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। अपने बयान में आगे साफ कहा है कि जैसे ही स्थिति के बारे में पता चला हमने अपने कार्यक्रम में तब्दीली की और स्थानीय प्रशासन ने जैसे निर्देश दिए, उसके मुताबिक आगे बढ़े। हम अपने सभी समर्थकों से अपील करते हैं कि वे सुरक्षित रहें। अब इस प्रतिक्रिया से समझ आता है कि आरसीबी की टीम ने स्थानीय प्रशासन का सहयोग किया था, उन्हें जैसा कहा गया, उन्होंने वैसा ही किया।

RCB की विक्ट्री परेड मातम में कैसे बदली

अब जानकारी के लिए बता दें कि बेंगलुरु में मची भगदड़ का सबसे बड़ा कारण ओवरक्राउडिंग रहा है। इसके ऊपर क्योंकि पुलिस का जरूरी संदेश समय रहते आम लोगों तक नहीं पहुंचा, उस वजह से भी एक कम्युनिकेशन गैप बना और इतना बड़ा हादसा हो गया। असल में बुधवार को सुबह 11.56 पर ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि कोई विक्ट्री परेड नहीं होगी। अब जिस समय पुलिस ने यह जानकारी दी, कई लोग पहले ही भीड़ लगा चुके थे। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर तो लोग इकट्ठा होने शुरू हो गए थे। ऐसे में कई को तो जानकारी तक नहीं थी कि विक्ट्री परेड कैंसिल हो चुकी है। अभी के लिए इस हादसे के बाद कर्नाटक सरकार ने मतृकों के परिवार के लिए 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। सीएम सिद्धारमैया ने भी इस हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया है कि उम्मीद से कहीं ज्यादा भीड़ मौके पर पहुंची और उसी वजह से यह दर्दनाक हादसा हुआ।

कोचिंग स्टाफ को लेकर फ्रेंचाइजी में असंतोष

लखनऊ सुपर जायंट्स से जहीर खान की होगी छुट्टी?

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 को खत्म हुए 2 दिन भी नहीं हुआ है और फ्रेंचाइजी में बदलाव की चर्चा शुरू हो गई है। अगले सीजन से पहले कई फ्रेंचाइजी स्टाफ और कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर सकती हैं और सबसे बड़ा बदलाव लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में हो सकता है।

14 मैचों में से सिर्फ छह जीत के साथ सातवें स्थान पर रहने से फ्रेंचाइजी प्रबंधन खुश नहीं है। जहीर खान की देखरेख में काम कर रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के कोचिंग स्टाफ के कुछ प्रमुख सदस्यों के भविष्य को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार जहीर (46) खुद भी इस परेशानी का सामना कर रहे हैं। जहीर को पिछले साल की नीलामी की शुरुआत से पहले मेंटर बना गया था, तो उन्हें सिर्फ एक साल के अनुबंध पर रखा गया था। उस कॉन्ट्रैक्ट को रिन्यू किया जाना है और सूत्रों का कहना है कि अगर वह बने रहते हैं तो यह आश्चर्य की बात होगी।

लैंगर का कॉन्ट्रैक्ट भी रिन्यू होना है

जहीर को मुख्य कोच जस्टिन लैंगर के साथ काम करने के लिए लाया गया था, जिनका कॉन्ट्रैक्ट भी रिन्यू होना है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों के बीच सीजन के दौरान कैसा समन्वय किया, लेकिन टीम और प्रबंधन के भीतर असंतोष की भावना दिखाई देती है।

इस स्तर पर चर्चा से पता चलता है कि लैंगर की तुलना में जहीर पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

- **प्रबंधन टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश नहीं**

एलएसजी फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका क्रिकेट और आईपीएल के प्रति जुनूनी माने जाते हैं और पिछले दो सीजन से टीम प्लेऑफ में जगह बनाने में कामयाब नहीं हो पाई है। हालांकि, जहीर 2024 सीजन के लिए जवाबदेह नहीं हो सकते, लेकिन प्रबंधन इस सीजन में टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश नहीं है।

- **जहीर-पंत का पेशेवर संबंध काफी अच्छा**

कहा जाता है कि जहीर का कप्तान ऋषभ पंत के साथ पेशेवर संबंध काफी अच्छा है, लेकिन पंत ने बल्ले से निराश किया। पंत ने 14 मैचों में एक शतक और एक अर्धशतक सहित 269 रन बनाए, लेकिन बाकी 12 मैचों में कोई खास योगदान नहीं दे पाए।

हालांकि, कप्तान के निराशाजनक प्रदर्शन के लिए टीम के मेंटर को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन यह जहीर ही थे, जिन्होंने टीम के विजन और दृष्टिकोण को आकार देने में मदद की। उन्होंने और पंत दोनों ने इस सीजन में निडर होकर क्रिकेट खेलने की बात कही थी। लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले।

नेशंस लीगः

रोनाल्डो का गोल, मेजबान जर्मनी को हराकर फाइनल में पुर्तगाल

म्यूनिख, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के निर्णायक गोल से पुर्तगाल ने यूईएफए नेशंस लीग सेमीफाइनल में जर्मनी को 2-1 से हरा दिया। इसी के साथ मेजबान टीम की पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। ओलावृष्टि के कारण 10 मिनट की देरी के बाद, जर्मनी ने जल्दी ही लय पकड़ ली। लियोन गोरेट्जका ने शुरुआत में डियोगो कोस्टा को परखा, जबकि डेब्यूटेंट निक वोल्टमेड ने एलेक्जेंडर पावलोविच के साथ मिलकर एक और मौका बनाया। हालांकि, पुर्तगाल ने जल्द ही लय पकड़ ली। पेड्रो नेटो की तेज रफ्तार ने बार-बार जर्मन डिफेंस को एक्सपोज किया और रोनाल्डो ने गोलकीपर मार्क-आंद्रे टेर स्टेगन को दो बार परखा। यह टेर स्टेगन की चोट से वापसी के बाद पहला मैच था। फ्लोरियन विर्ट्ज ने 48वें मिनट पर मैच का पहला गोल दागकर जर्मनी को 1-0 से लीड में ला दिया। फ्रांसिस्को कॉन्सेइकाओ, जो कुछ मिनट पहले ही मैदान पर आए थे, उन्होंने शानदार सिंगल स्ट्राइक के साथ मैच का रुख पलटा। 63वें मिनट पुर्तगाल ने भी अपना खाता खोलते हुए मैच 1-1 से बराबरी पर ला दिया। जर्मनी को यहां से संभलने का मौका नहीं मिला। ब्रूनो फर्नांडीस और नूनो मेंडेस के बीच एक शानदार वन-टू ने जर्मन बैकलाइन को तितर-बितर किया और मेंडेस के लो क्रॉस को रोनाल्डो ने गोल में बदला। इसी के साथ रोनाल्डो 40 साल और 119 दिन की उम्र में जर्मनी के खिलाफ गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। जर्मनी अब रविवार को तीसरे स्थान के लिए प्लेऑफ खेलेगा, जबकि पुर्तगाल फाइनल खेलेगा। मैच गंवाने के बाद जर्मनी के कोच जूलियन नेगल्समैन ने कहा, यह निश्चित रूप से हाल के दिनों में हमारा सबसे कमजोर प्रदर्शन था। हमने हमेशा पूरे दृढ़ विश्वास के साथ अटैक नहीं किया। पुर्तगाल जैसी टीम के खिलाफ अगर आप बदलाव में बहुत धीमे हैं, तो

जोकोविच फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

अब वर्ल्ड नंबर-1 सिनर से भिड़ेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन 2025 के मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्वार्टर फाइनल में जोकोविच ने पहले सेट में पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी की।

जोकोविच के अलावा, वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर भी सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। जोकोविच की फ्रेंच ओपन में 101वीं जीत 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में तीसरे सीड एलेक्जेंडर ज्वेरेव को चार सेटों में 4-6, 6-3, 6-2, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ जोकोविच ने फ्रेंच ओपन में अपनी 101वीं जीत दर्ज की है। 38 साल के जोकोविच अब सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर से भिड़ेंगे। दोनों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं, जिनमें स्कोर 4-4 है। पिछले तीन मैचों में सिनर ने जीत हासिल की है।

इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक को 1 घंटे 49 मिनट में 6-1, 7-5, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने ग्रैंड स्लैम में अपनी लगातार 19वीं जीत दर्ज की है और वह अब नोवाक जोकोविच के खिलाफ सेमीफाइनल में खेलेंगे। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गौफ ने क्वार्टर फाइनल में हमवतन मेडिसन कीज को हरा दिया है। उन्होंने कीज को 6-7(6), 6-4, 6-1 से हराया। सेमीफाइनल में गौफ का मुकाबला फ्रांसीसी वाइल्डकार्ड खिलाड़ी लोइस बॉइसन से होगा, जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीवा और तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर सभी को चौंका दिया है।

श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर पर लगा मैच फिक्सिंग का आरोप

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के पूर्व ऑफ स्पिनर सचित्रा सेनानायके को हंबनटोटा उच्च न्यायालय ने 2020 लंका प्रीमियर लीग के दौरान एक साथी खिलाड़ी को मैच फिक्सिंग के लिए लुभाने का प्रयास करने के आरोप में दोषी ठहराया है। अटॉर्नी जनरल के विभाग ने कहा कि देश के हाल ही में लागू भ्रष्टाचार विरोधी कानून के तहत मैच फिक्सिंग के लिए राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेटर पर यह पहला अभियोग है। उन्हें गिरफ्तार किया गया और 2023 में जमानत पर रिहा कर दिया गया। 40 वर्षीय ने 2012 से 2016 के बीच श्रीलंका के लिए एक टेस्ट, 49 वनडे और 24 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और कुल मिलाकर 78 विकेट लिए। वह श्रीलंका की 2014 टी20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने एक अन्य राष्ट्रीय खिलाड़ी थारिंडु रत्नायके से भ्रष्ट संपर्क किया, जो उस समय कोलंबो किंग्स के लिए खेल रहे थे। श्रीलंकाई एक रिपोर्ट में कहा गया है, सेनानायके पर दुबई से टेलीफोन के माध्यम से 2020 में उद्घाटन एलपीएल में भाग लेने वाले दो अन्य क्रिकेटरों से संपर्क करने का भी आरोप है, उन्हें मैच फिक्सिंग में शामिल होने के लिए मनाने का प्रयास किया गया।

इंग्लैंड सीरीज में ना चुने जाने के बाद अक्षर पटेल ने किया संन्यास का ऐलान? क्या है सच

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के खत्म होने के साथ ही भारतीय क्रिकेटर और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल सुर्खियों में आ गए हैं. दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है और दावा किया जा रहा है कि उन्होंने क्रिकेट से संन्यास ले लिया है. जिसके बाद क्रिकेट जगत में तहलका मच गया है. अक्षर पटेल को इस बार इंग्लैंड दौरे के लिए भी भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है, जिसके चलते उनके फैंस और ज्यादा परेशान हो गए हैं. सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें अक्षर को यह कहते हुए सुना गया कि 'मेरा और क्रिकेट का सफर यहीं तक था.' जिसके बाद फैंस के बीच चिंता की लहर दौड़ गई. हालांकि, अब इस खबर की सच्चाई सामने आ गई है, और यह वीडियो फर्जी साबित हुआ है. दरअसल, यह वीडियो एआई की मदद से बनाया गया है, जिसमें अक्षर की आवाज और तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया. अक्षर ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है, और वह अभी भी क्रिकेट में सक्रिय हैं.इस वीडियो में अक्षर पटेल रिटायरमेंट स्पीच देते नजर आ रहे हैं. अक्षर कहते नजर आ रहे हैं, 'यह बहुत महत्वपूर्ण ऐलान है.

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मैच शुक्रवार से

केएल राहुल पर रहेगी नजरें

नॉर्थम्पटन, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले केएल राहुल की नजरें लाल गेंद के प्रारूप में अभ्यास पर होंगी जब भारत ए टीम शुक्रवार से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरा और आखिरी अनधिकृत टेस्ट खेलने उतरेगी।

भारत के अधिकांश हिस्सों में मानसून होने के कारण राहुल ने टेस्ट टीम से पहले अभ्यास के लिए ब्रिटेन पहुंचने का फैसला किया। पहला टेस्ट 20 जून से शुरू होगा। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम शुक्रवार को मुंबई से रवाना होगी। इंग्लैंड में दो शतक लगा चुके राहुल भारतीय टेस्ट टीम के सबसे सीनियर सदस्य हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से विदा ले चुके हैं।

राहुल ने 58 टेस्ट में 33.57 की औसत से रन बनाए हैं लेकिन उन्हें अधिकांश सफलता शीर्षक्रम में मिला है। अब देखना है कि वह इसी क्रम पर उतरते हैं या इसमें बदलाव किया जाता है। गिल और साइ सुदर्शन को भी दूसरा चार दिवसीय मैच खेलना था लेकिन आईपीएल के कारण नहीं खेल सके। दोनों को लीड्स पर होने वाले पहले टेस्ट से पूर्व सिर्फ टीम के भीतर अभ्यास मैच खेलने का मौका मिल सकेगा। टेस्ट टीम के सदस्यों में से 6 ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहला मैच खेला जो ड्रॉ रहा। तेज गेंदबाज आकाश दीप दूसरे मैच में खेलेंगे। यशस्वी जायसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन और करूण नायर ने पहले मैच में रन बनाए थे। ऐसी संभावना है कि रूतुराज गायकवाड़ और ईशान किशन को इस मैच में मौका दिया जाए।

तेज गेंदबाज हरफनमौला के लिए शार्दुल ठाकुर और नीतिश रेड्डी में से एक का चयन होगा। दोनों ने कैंटरबरी में पहला मैच खेला लेकिन ठाकुर ने रेड्डी से ज्यादा गेंदबाजी की। फिटनेस कारणों से रेड्डी आईपीएल में भी ज्यादा नहीं खेल सके थे।

अगर एक बार फिर सपाट पिच मिलती है तो राहुल एंड कंपनी के लिए तैयारियों के लिहाज से यह अच्छा नहीं होगा। इंग्लैंड लायंस के लिए तेज गेंदबाज जोश टंग और क्रिस वोक्स प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे ताकि पहले टेस्ट के लिए टीम में जगह बना सकें। मार्क वुड और जोफ्रा आर्चर का चोट के कारण भारत के खिलाफ खेलना संदिग्ध है। गुस एटकिंसन भी पहले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं।

टीमें: भारत एः अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, करूण नायर, ध्रुव जुरेल, नीतिश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन, मानव सुतार, तनुष कोटियान, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कम्बोज, खलील अहमद, रूतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे, हर्ष दुबे।

इंग्लैंड लायंस: जेम्स रियू (कप्तान), फरहान अहमद,जोर्डन कॉक्स, रिकी फ्लिंटॉफ, एमिलियो गे, टॉम हैंस, जॉर्ज हिल, मैक्स होल्डन, बेन मैकिनी, एडी जैक, अजीत सिंह डेल, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

समय: दोपहर 3.30 से।